संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -74 रविवार, 14 जनवरी 2024, पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

शाह और नड्डा ने देशवासियों को दी लोहड़ी की शुभकामनाएं

नई दिल्ली,13 जनवरी 2024(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने देशवासियों को लोहड़ी की शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, शांति, सौभाग्य, समृद्धि और नई ऊर्जा की कामना की है। शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, सभी को लोहड़ी की शुभकामनाएं। उमंग और हर्षोल्लास का यह पर्व सभी देशवासियों के जीवन में सुख-शांति और नई ऊर्जा का संचार करे। नड्डा ने एक्स पर लिखा, समस्त देशवासियों को हर्ष व उल्लास का प्रतीक पर्व लोहड़ी की हार्दिक शुभकामनाएं। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख-सौभाग्य व समृद्धि लेकर आए।

बलिया में रिश्वत लेते राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

बलिया,13 जनवरी 2024(ए)। उत्तर प्रदेश में बलिया जिले के शहर कोतवाली क्षेत्र में एंटी करप्शन टीम की आजमगढ़ इकाई ने एक राजस्व निरीक्षक समेत दो राजस्व कर्मियों को दस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है ।
पुलिस सूत्रों ने बताया कि माडल तहसील से एंटी करप्शन टीम गड़वार थाना क्षेत्र के राजस्व निरीक्षक बृजेंद्र राय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संतोष कुमार सिंह को एक व्यक्ति से दस हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर कोतवाली ले आई।

थौबुल से होगी शुरू होगी राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

नई दिल्ली,13 जनवरी 2024(ए)। इंफाल से शुरू होने वाली कांग्रेस नेता की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का स्थान बदल दिया गया है। अब राहुल गांधी की यह यात्रा इंफाल से 34 किलोमीटर दूर थौबुल से शुरू होगी। कांग्रेस नेताओं के मुताबिक यह फैसला सरकार की शटरों की वजह से किया गया है। पार्टी के मुताबिक मणिपुर सरकार ने यात्रा रूट को लेकर जो शर्तें रखी थीं, उसके साथ राजधानी इंफाल में यात्रा शुरू नहीं हो सकती थी।
कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने 2 जनवरी को सरकार को आवेदन देकर इंफाल के हसा कांगजीबुंग में भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने की अनुमति मांगी थी। यह यात्रा कोई राजनीतिक कार्यक्रम या कोई चुनाव अभियान नहीं है ।

प्रभा अत्रे का दिल का दौरा पड़ने से निधन

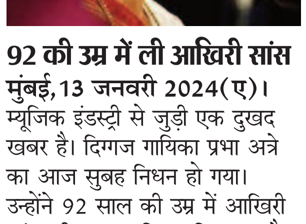

92 की उम्र में ली आखिरी सांस

मुंबई,13 जनवरी 2024(ए)। म्यूजिक इंडस्ट्री से जुड़ी एक दुखद खबर है। दिग्गज गायिका प्रभा अत्रे का आज सुबह निधन हो गया। उन्होंने 92 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उनका निधन दिल का दौरा पड़ने से हुआ। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्हें पुणे के दिनानाथ मंगेशकर अस्पताल लेकर गए थे। लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनका निधन हो गया।

मल्लिकार्जुन खड़गे इंडिया के चेयरपर्सन बने

कर्नाटक डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खड़गे को सोशल मीडिया एक्स पर बधाई दी...

» कर्नाटक डिप्टी सीएम ने बधाई दी

» पवार बोले-संयोजक की जरूरत नहीं

» पार्टी प्रमुखों की बनेगी एक टीम

नई दिल्ली,13 जनवरी 2024(ए)। विपक्षी गठबंधन इंडिया, की वर्चुअल बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को चेयरपर्सन बनाया गया है। कर्नाटक डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने खड़गे को सोशल मीडिया एक्स पर बधाई दी।
शिवकुमार ने लिखा- मल्लिकार्जुन खड़गे सिर्फ कर्नाटक का गौरव नहीं हैं, वह देश का गौरव हैं और इस समय हमारे सबसे अनुभवी नेताओं में से एक हैं। इंडिया का चेयरपर्सन चुने जाने पर मेरी शुभकामनाएं।
उधर मीटिंग खत्म करने के बाद पुणे में शरद पवार ने कहा- पार्टियों के बीच संयोजक की नियुक्ति को लेकर कोई विवाद नहीं है। मीटिंग में नीतीश कुमार का नाम संयोजक के लिए सुझाया गया था। बाद में सहमति बनी कि, पार्टी प्रमुखों की एक टीम बनाई जानी चाहिए। संयोजक नियुक्त करने की जरूरत नहीं है। लोकसभा चुनाव को लेकर पवार ने कहा- गठबंधन को वोट मांगने के लिए किसी एक चेहरे को पेश करने की जरूरत नहीं है। क्योंकि नेता कोई भी हो सकता है। यह इलेक्शन रिजल्ट घोषित होने के बाद चुना जाएगा।

नीतीश गठबंधन के निर्माता,ये पद संयोजक से बड़ाःजेडीयू

त्यागी ने बताया- वर्चुअल मीटिंग में नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव रखा गया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। नीतीश गठबंधन के निर्माता हैं और यह पद संयोजक से बड़ा होता है। प्रधानमंत्री चेहरे के सवाल का जवाब देते हुए त्यागी बोले-पहले चुनाव रिजल्ट घोषित हो जाए उसके बाद इस पर बात करेंगे।

मीटिंग में 9 विपक्षी दल शामिल हुए, ममता-उद्धव नहीं जुड़े

28 दलों के इस गठबंधन में सिर्फ 9 पार्टियां ही वर्चुअल बैठक में शामिल हुईं। मीटिंग में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, लालू यादव और तेजस्वी यादव,बिहार के सीएम नीतीश कुमार,दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उमर अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस), सीताराम येचुरी,डी राजा, शरद पवार और डीएमके की तरफ से तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन जुड़े।
तृणमूल प्रमुख और पश्चिम बंगाल की टीएमसी ममता बनर्जी, शिवसेना के उद्धव ठाकरे और समाजवादी पार्टी नेता अखिलेश यादव मीटिंग में शामिल नहीं हुए। सीट शेयरिंग के मुद्दे पर ममता ने पहले से ही कांग्रेस से दूरी बना रखी है। वह कांग्रेस को बंगाल में 2 सीटें देने पर अड़ी हैं।

खड़गे ने गठबंधन दलों को न्याय यात्रा में शामिल होने का न्यौता दिया

इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने आज ऑनलाइन मुलाकात की और गठबंधन पर सार्थक चर्चा की। हर कोई इस बात से खुश है कि सीट बंटवारे पर बातचीत सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। हमने सभी दलों को अपनी सुविधानुसार भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने का न्यौता दिया है।

खड़गे से मिलने पहुंचे केजरीवाल

दिल्ली के सीएम रविंद केजरीवाल शनिवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलने उनके घर पहुंचे। दोनों की मुलाकात के दौरान राहुल गांधी भी मौजूद रहे। माना जा रहा है कि आप और कांग्रेस के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत हो सकती है।

टीएमसी ने कहा-बैठक की जानकारी देर से मिली

उधर बैठक में शामिल नहीं होने पर तृणमूल सूत्रों ने कहा कि उन्हें बैठक की जानकारी काफी देर से मिली और ममता के कार्यक्रम पहले से तय थे। इसलिए वह बैठक में शामिल नहीं हो रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक,ये बैठक कुछ दिन पहले होनी थी, लेकिन किसी वजह से ऐन मौके पर रद्द हो गई थी। ये पहला मौका नहीं है, जब ममता बनर्जी ने बैठक में आने से इनकार किया है। दिसंबर 2023 में भी ममता गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हुई थीं। तब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने बैठक की जानकारी दो दिन पहले दी। ऐसे में मैं पहले से तय अपने कार्यक्रम रद्द नहीं कर सकतीं।
स्थिति को देखकर लग रहा है कि बीजेपी से टक्कर लेने के लिए बने इंडिया के 28 दलों के बीच सीट शेयरिंग बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गठबंधन में शामिल कई पार्टियों के नेता ऐसे बयान दे चुके हैं, जिससे साफ है कि वे पार्टी के प्रभाव वाले राज्यों में सीटों के मुद्दे पर समझौता नहीं करेंगे।

नड्डा बोले-वर्चुअलग ठबंधन सिर्फ वर्चुअल मीटिंग ही करेगा

इंडिया गठबंधन की वर्चुअल मीटिंग को लेकर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा- जब मैंने आज इंडिया गठबंधन की बैठक के बारे में सुना, तो मैंने पूछा कि बैठक कहाँ हो रही है और पता चला कि यह एक वर्चुअल बैठक है। वर्चुअल गठबंधन सिर्फ वर्चुअल मीटिंग ही करेगा। इससे ज्यादा वे कुछ नहीं कर सकते। पीएम मोदी का एजेंडा विकसित भारत,युवा सशक्तिकरण, महिला सशक्तिकरण, गरीबी कम करना है...लेकिन उनका (विपक्ष) एजेंडा क्या है? यह मोदी हटाओ है। इंडिया गठबंधन के केवल दो एजेंडे हैं, परिवार बचाओ और संपत्ति बचाओ।

ईडी के सीएम को सम्मन भेजने पर सीएम ने कहा-तो क्या हमें आना ही पड़ेगा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ईडी ने अपने पत्र में कहा है कि या तो वो ईडी के सामने पेश हो, नहीं तो ईडी को खुद आना पड़ेगा

रांची,13 जनवरी 2024 (ए)। प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को एकबार फिर तलब किया है। ईडी ने हेमंत सोरेन को पत्र भेज कर हाजिर होने के लिए नई डेड लाइन दी है। साथ ही पूछा है कि वह समन पर हाजिर क्यों नहीं हो रहे हैं। ईडी की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि हेमंत सोरेन 16 से 20 जनवरी के बीच जांच एजेंसी के कार्यालय में अपना बयान दर्ज कराएं। सनद रहे इससे पहले भी ईडी ने कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले में पूछताछ के लिए झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तलब करते हुए उन्हें एक पत्र-सह-समन जारी किया था।
ईडी ने उस पत्र में भी सोरेन से जांच अधिकारी को अपनी सुविधानुसार तारीख, स्थान आदि के बारे में जानकारी देने को कहा था ताकि उनका मनी लॉन्ड्रिंग केस में बयान दर्ज किया जा सके। कुल मिलाकर ईडी की ओर से यह आठवीं बार है जब सोरेन को कथित भूमि घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया गया है। सोरेन ने पिछली बार सातवें समन- सह- पत्र पर हाजिर होने से परहेज किया था।
ईडी ने सातवें समन की डेड लाइन 31 दिसंबर रखी थी। हेमंत सोरेन कभी ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए हैं। उनको ईडी ने 14 अगस्त को पहला समन भेजा था। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को सुप्रीम कोर्ट और फिर झारखंड हाईकोर्ट में याचिका दायर कर ईडी की कार्रवाई से सुरक्षा मांगी थी। हालांकि दोनों अदालतों से उनकी याचिकाएं खारिज हो चुकी है। हर बार हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को अनुचित करार दिया है।

जेल में बंद संजय सिंह फिर बने सांसद

राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुने गए,आप के तीनों नेता

नई दिल्ली,13 जनवरी 2024(ए)। संजय सिंह, स्वाति मालीवाल और एनडी गुप्ता राज्यसभा चुनाव में निर्विरोध जीत गए। बता दें कि किसी अन्य पार्टी ने चुनाव में इन नेताओं के खिलाफ अपना उम्मीदवार नहीं उतारा था। निर्विरोध जीत के बाद तीनों नेताओं ने रिटर्निंग ऑफिसर से अपना प्रमाण पत्र लेने पहुंचे। इस दौरान संजय सिंह ने भी अपना प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

किसी अन्य ने दाखिल नहीं किया नामांकन

संजय सिंह, स्वाति मालीवाल और एनडी गुप्ता निर्विरोध चुनाव जीत गए। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली में आप के तीनों उम्मीदवारों का राज्यसभा जाना तय है, क्योंकि किसी अन्य पार्टी के किसी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया था।
आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद एनडी गुप्ता और संजय सिंह का 27 जनवरी को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। इससे पहले 08 जनवरी को संजय सिंह, एनडी गुप्ता और दिल्ली की पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था।

स्वाति मालीवाल पहली बार जाएंगी राज्यसभा

इस बार सुशील कुमार की जगह पर स्वाति मालीवाल को राज्यसभा चुनाव के लिए आप ने पार्टी उम्मीदवार घोषित किया था। इसके अलावा संजय सिंह और एनडी गुप्ता को फिर से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार बनाया गया। बता दें स्वाति मालीवाल पहली बार राज्यसभा जा रही हैं तो वहीं संजय सिंह और एनडी गुप्ता दूसरी बार राज्यसभा जाएंगे।

बीएसएफ जवान ने सर्विस राइफल से की आत्महत्या

कोलकाता,13 जनवरी 2024 (ए)। पश्चिम बंगाल में कूच बिहार जिले के दिनहाटा में भारत-बांग्लादेश सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने कथित तौर पर अपनी सर्विस राइफल से गोली मारकर आत्महत्या कर ली है।
मृतक की पहचान सत्यभान सिंह (48) के रूप में हुई है। वह बीएसएफ की बटालियन नंबर 138 से जुड़े थे। सूत्रों ने बताया कि शिविर में तैनात बीएसएफ जवानों ने शुक्रवार को राइफल फायरिंग की आवाज सुनी और सिंह को खून से लथपथ पाया।उसने यह कदम क्यों उठाया इसका सटीक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।
बीएसएफ अधिकारियों ने मारे गए जवान का शव स्थानीय साहिबगंज थाने की पुलिस को सौंप दिया है।
कूचबिहार के डीएसपी द्युतिमान भट्टाचार्य ने कहा कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नीतीश कुमार ने बढ़ाई इंडिया की टेंशन

संयोजक बनने से किया इनकार,बोले-कांग्रेस के किसी नेता को दी जाए जिम्मेदारी!

पटना,13 जनवरी 2024(ए)। इंडिया गठबंधन के दलों ने आज सीट-बंटवारे के एजेंडे पर बैठक की। हालांकि, ये बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई, लेकिन इसमें भाजपा को टक्कर देने समेत कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव आया, तो नीतीश कुमार ने इसे स्वीकार करने से इंकार कर दिया। नीतीश कुमार ने कहा कि कांग्रेस के किसी नेता को 'इंडिया' गठबंधन का संयोजक बनाया जाए। ये जानकारी बैठक खत्म होने के बाद बिहार के मंत्री संजय झा ने दी है।

बताया गया है कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इंडिया गठबंधन के चेयरमैन बन सकते हैं। हालांकि बैठक में चेयरमैन बनाने को लेकर पार्टी के नेता राहुल गांधी के नाम पर भी चर्चा हुई, लेकिन खरगे पर सहमति जताई गई है। बैठक में नीतीश कुमार को संयोजक बनाने का प्रस्ताव डीएमके के नेता स्टालिन लेकर आए थे।
इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल संजय झा के अनुसार, शीट शेयरिंग पर कोई चर्चा नहीं हुई है। हालांकि राहुल गांधी ने बैठक में सभी नेताओं से अपनी यात्रा में भी शामिल होने का प्रस्ताव रखा है। इससे पहले, मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक पहुंचे। खड़गे के आवास पर बैठक के दौरान भी मुकुल वासनिक मौजूद रहे। वह कांग्रेस के नेशनल अलायंस कमेटी के संयोजक हैं।
इस वर्चुअल बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, एनसीपी चीफ शरद पवार, बिहार के सीएम नीतीश कुमार, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता सीताराम येचुरी, तमिलनाडु के सीएम और डीएमके चीफ स्टालिन समेत 14 दलों के नेता शामिल हुए। बैठक में पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, सपा नेता अखिलेश यादव और शिवसेना (उद्धव गुट) चीफ उद्धव ठाकरे शामिल नहीं हुए।

मेरठ में पांच साल तक चलाया था हनीट्रैप का गैंग

» मां-बेटी को लेकर हुए कई और चौंकाने वाले खुलासे

» माता व बेटी संचालित करती थी हनीट्रैप गिरोह, मेरठ में दर्ज कराए थे सात फर्जी केस।

» मेरठ की कोर्ट ने एक केस में की थी टिप्पणी, कविता के खिलाफ की जाए कार्रवाई

ग्रेटर नोएडा 13 जनवरी 2024(ए)। हनीट्रैप में फंसाकर लोगों से लूटपाट करने वाले गिरोह की सरगना कविता के संबंध में चौंकाने वाला पर्दाफाश हुआ है। कविता ने पांच साल तक मेरठ में हनीट्रैप गिरोह चलाया था। उसने सात से अधिक दुष्कर्म व छेड़छाड़ के फर्जी केस मेरठ में दर्ज कराए थे, जिनके बाद में पुलिस ने फाइनल रिपोर्ट प्रेषित की। फर्जी केस दर्ज कराने के बाद कविता व्यक्ति से मोटी रकम लेकर सेटलमेंट कर लेती थी और कोर्ट में बयान बदल लेती थी। सूरजपुर पुलिस की जांच में मेरठ की कोर्ट की फाइल मिली है, जिसमें जज ने कविता के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा था। कहा गया था कि कविता झूठे केस दर्ज कर कोर्ट को गुमराह करती है। यह सारे तथ्य सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने एकत्र कर लिए है।
आरोपितों के खिलाफ दर्ज केस में पुलिस ने इसको शामिल कर लिया है। मेरठ में भी कविता ने एक युवक को मित्र बनाकर हनीट्रैप गिरोह संचालित किया था।
दरअसल, चार दिन पूर्व सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने हनीट्रैप गिरोह का पर्दाफाश किया था। आरोपित दुष्कर्म के झूठे केस में फंसाने की धमकी भी देते थे। गिरोह में शामिल महिला समेत पांच आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था, जिसमें एक नाबालिग किशोरी भी शामिल है। गिरोह में महिला की बेटी व भतीजी भी शामिल है। बेटी व भतीजी की ही भूमिका लोगों को फंसाने की थी। दोनों अंजान नंबर पर मिस काल करती थी और बात करने के बहाने उनको हनीट्रैप में फंसा लेती थी। अश्लील वीडियो बनाने के बाद जबरन पीड़ितों से लूटपाट की जाती थी।
कुछ दिन पहले आरोपितों ने एक व्यक्ति को हनीट्रैप में फंसाकर उसके खाते से जबरन एक लाख 67 हजार रुपये निकलवाए थे। पकड़े गए आरोपितों की पहचान फारुख, विष्णु उर्फ डमरू श्रीवास्तव, कविता, पूजा व एक नाबालिग के रूप में हुई थी। सभी वर्तमान में सूरजपुर में रह रहे थे। आरोपित छह महीने पहले ही मेरठ से नोएडा शिफ्ट हुए थे और गिरोह संचालित कर रहे थे।

एनएससीएन-आईएम के 6 आतंकी गिरफ्तार भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद

ईटानगर,13 जनवरी 2024 (ए)। लोंगडिंग के एसपी डेकियो गुमजा ने शनिवार को कहा कि इस अभियान के दौरान विद्रोहियों को गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान गिरफ्तार कैडरों ने खुलासा किया कि उनके पास नॉकनु और खासा गांवों के बीच एक ठिकाने में अत्याधुनिक हथियार भी थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आगे की कार्रवाई के परिणामस्वरूप तीन एमक्यू असॉल्ट राइफलें, डेटोनेटर, मोबाइल फोन और अन्य युद्ध जैसे सामान बरामद हुए।
पुलिस अधिकारी ने कहा कि लोंगडिंग पुलिस स्टेशन में हथियार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

गिरफ्तार विद्रोहियों की पहचान स्वयंभू एएसओ और वांचो क्षेत्र के सचिव वांगपांग वांगसा (28), स्वयंभू प्रमुख पंसा (64), स्वयंभू कप्तान मिकगाम (27), स्वयंभू सार्जेंट थांगवांग (29),स्वयंभू कप्तान अलुंग नगोदाम (31) और स्वयंभू लांस कॉर्पोरल जामगांग गैंगसा (27) के रूप में की गई है। पुलिस ने कहा कि गैंगसा ईस्टर्न नागा नेशनल गवर्नमेंट (ईएनएनजी) संगठन का पूर्व कैडर है, जिसने 21 जुलाई, 2021 को आत्मसमर्पण कर दिया था और बाद में उसी साल 31 दिसंबर को एनएससीएन (आईएम) में शामिल हो गया।
पुलिस ने कहा कि गैंगसा ईस्टर्न नागा नेशनल गवर्नमेंट (ईएनएनजी) संगठन का पूर्व कैडर है, जिसने 21 जुलाई, 2021 को आत्मसमर्पण कर दिया था और बाद में उसी साल 31 दिसंबर को एनएससीएन (आईएम) में शामिल हो गया। एसपी ने कहा कि आगे की जांच से पता चला कि गिरफ्तार कैडर कई विभागों के प्रमुखों और सार्वजनिक नेताओं को जबरन वसूली नोट भेज रहे थे।

संपादकीय

विश्वास का सवाल है...

प्रश्न यह है कि अगर किसी पार्टी ने अपना संविधान बदल दिया हो, तो पुराना संविधान किसी फैसले का आधार कैसे हो सकता है? यह विवाद का मुद्दा है। इसका अप्रिय पक्ष यह है कि इससे स्पीकर के पद पर विवाद गहराया है। महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर ने वही फैसला दिया, जिसका शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट की तरफ से पहले से अनुमान लगाया जा रहा था। इस गुट ने एक दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट जाने का इरादा जता दिया था। फैसला आने के बाद पार्टी ने इसे लोकतंत्र की हत्या बताया और एलान किया कि वह इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी। जाहिर है, इस गुट को स्पीकर राहुल नार्वेकर की निष्पक्षता पर भरोसा नहीं था। ठीक ऐसी ही धारणा कई और हलकों में थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नार्वेकर ने अपना फैसला जिस आधार पर दिया, उससे इन हलकों में पहले से मौजूद संदेह को दूर करने में कोई मदद नहीं मिलेगी। नार्वेकर ने शिंदे बनाम उद्धव ठाकरे गुट में जारी विवाद पर फ़ैसला सुनाते हुए कहा कि शिंदे गुट ही असली शिवसेना मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि 21 जून 2022 को शिवसेना में फूट पड़ गई। उस समय उद्धव ठाकरे गुट के सचेतक सुनील प्रभु ने व्हिप जारी किया था। लेकिन नार्वेकर ने कहा कि जब उन्होंने यह कदम उठाया, तब वे सचेतक नहीं रह गए थे।

नार्वेकर ने ये फ़ैसला शिवसेना पार्टी के 1999 के संविधान के आधार पर दिया है। जबकि उद्धव ठाकरे गुट ने अपना 2018 का संविधान नार्वेकर को सामने पेश किया था। उपलब्ध जानकारियों के मुताबिक 1999 के संविधान में प्रावधान है कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शिवसेना का नेतृत्व करेंगे, जबकि 2018 में कहा गया कि पार्टी प्रमुख का फ़ैसला ही पार्टी का फ़ैसला होगा। लेकिन प्रश्न यह है कि अगर किसी पार्टी ने अपना संविधान बदल दिया हो, तो पुराना संविधान किसी फैसले का आधार कैसे हो सकता है? यह विवाद का मुद्दा है। इसका अप्रिय पक्ष यह है कि इससे स्पीकर के पद पर विवाद गहराया है। जिस समय तमाम पद और संस्थाओं पर एकपक्षीय होने का संदेह गहराता जा रहा है, इस विवाद से यह माहौल और संगीन होगा। इस नतीजे से एकनाथ शिंदे गुट के 16 विधायकों को राहत मिली है। वहीं ठाकरे गुट को झटका लगा है और उद्धव ठाकरे ने तो अब सवाल उठा दिया है कि भारत में लोकतंत्र रहेगा कि नहीं?

अयोध्या पर कांग्रेस की दयनीय राजनीति

व्यापक रूप से धर्म और खासतौर से अयोध्या पर कांग्रेस की दुविधा चिरंतन है। वह कभी खत्म नहीं होती है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर राजीव गांधी और पीवी नरसिंह राव से लेकर राहुल गांधी तक कांग्रेस की यह दुविधा कायम है और समय के साथ यह दुविधा कांग्रेस को लगातार कमजोर करती जा रही है। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि कांग्रेस की इस दुविधा ने भाजपा को मजबूत होने में सबसे ज्यादा मदद की है। भाजपा जब लोकसभा की दो सीटों के साथ सबसे कमजोर स्थिति में थी तभी दुविधा के शिकार राजीव गांधी ने अयोध्या में राममंदिर का ताला खुलवाया था। वे शाहबानो मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटने की ऐतिहासिक गलती कर चुके थे और उसकी भरपाई के लिए राम मंदिर का ताला खुलवाया था।

पर उसके बाद कांग्रेस को न माया मिली और न राम। अब राहुल गांधी की कमान वाली कांग्रेस ने फैसला किया है कि सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अधीर रंजन चौधरी अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम को 'भाजपा और आरएसएस की राजनीतिक परियोजना' बताते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के आमंत्रण को 'ससम्मान अस्वीकार' कर दिया है।

कांग्रेस को यह निमंत्रण दिसंबर में मिला था और इसे अस्वीकार करने का फैसला करने में उसने 20 दिन का समय लिया। जाहिर है कि किसी भी वैचारिक या राजनीतिक मसले पर फैसला लेने में इतना समय तभी लगता है, जब स्पष्टता न हो। कांग्रेस की वैचारिक अस्पष्टता कई और तरह से दिखी है। जैसे अक्टूबर में जब ट्रस्ट के पदाधिकारी प्रधानमंत्री से मिले और उनको रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होने का न्योता दिया तब कांग्रेस के नेता सलमान खुर्शीद ने कहा था कि 'न्योता सिर्फ एक पार्टी को क्यों दिया जा रहा है'। उन्होंने यह भी कहा था कि 'मंदिर किसी एक पार्टी का नहीं है'। उनके कहने का मतलब यह था कि कांग्रेस और दूसरी पार्टियों को भी न्योता मिलना चाहिए। हो सकता है कि यह कांग्रेस की आधिकारिक राय न हो लेकिन खुर्शीद की बात का किसी ने विरोध नहीं किया।इसके एक महीने बाद कांग्रेस को न्योता मिला तो वह 20 दिन तक फैसला रोके रही। अब जबकि फैसला आ गया है तो पार्टी के अंदर ही इस पर सवाल उठ रहे हैं।

गुजरात प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष रहे अर्जुन मोडवाडिया ने कहा कि 'कांग्रेस को ऐसे राजनीतिक निर्णय से बचना चाहिए था'। हिमाचल प्रदेश सरकार के मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि उन्होंने पार्टी आलाकमान को बता दिया है कि वे अपने पिता की इच्छा पूरी करने के लिए रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में जाएंगे।

कांग्रेस में अगर इस मसले पर वैचारिक स्पष्टता होती तो वह समय से पहले एक स्पष्ट रुख अख्तियार करती। कांग्रेस में अगर कोई भी दूरदृष्टि वाला नेता होता तो उसको अंदाजा होता कि इस मामले में कांग्रेस के इतिहास को देखते हुए भाजपा उसे उलझाने की कोशिश करेगी। जो कैच 22 सिचुएशन 20 दिसंबर को न्योता मिलने पर बना उसे कांग्रेस के नेता उसी दिन भांप लेते, जिस दिन लोकसभा चुनाव से पहले 'अर्धनिर्मित मंदिर' के उद्घाटन की तारीख तय हुई। अगर उस दिन नहीं तो जिस दिन नरेंद्र मोदी को न्योता मिला उस दिन भांप जाना चाहिए था कि कांग्रेस को भी न्योता मिलेगा और उसी समय अपनी रणनीति तय कर लेनी चाहिए थी। अगर कांग्रेस उस दिन से यह नैरेटिव बनाती कि अधूरे मंदिर का उद्घाटन हो रहा है और यह शास्त्र सम्मत नहीं है या भाजपा इसका राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है तो हो सकता है कि वह समाज के बड़े तबके को यकीन दिलाने में कामयाब हो जाती। तब यह भी हो सकता था कि कांग्रेस को न्योता नहीं भेजा जाता और उसे ऐसी स्थिति में नहीं फंसना पड़ता। लेकिन ऐसा लगता है कि कांग्रेस हर बार भाजपा के बिछाए जाल में फंस जाती है। भाजपा और नरेंद्र मोदी के जाल में फंस कर ही राहुल गांधी कभी जनेउधारी ब्राह्मण बन जाते हैं तो कभी शिवभक्त बन जाते हैं। जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी कैमरे पर अपनी भक्ति करते हैं उसी तरह राहुल और प्रियंका की भक्ति भी कैमरे पर ही दिखती है। बहरहाल, कांग्रेस या तो जाल देख नहीं पाती है या उससे बचने के उपाय नहीं सोच पाती है। मैकियावेली ने शासक के गुण बताते हुए कहा था कि शासक को सिंह की तरह बहादुर होने के साथ साथ लोमड़ी की तरह चालाक होना चाहिए ताकि वह शिकारी द्वारा बिछाए गए जाल को देख या समझ ले। सार्वजनिक जीवन में हर व्यक्ति के अंदर यह गुण होना अनिवार्य है। बहरहाल, कांग्रेस ने पहले रणनीति नहीं तय की और न नैरेटिव को अपने हिसाब से दिशा देने की कोई पहल की। जब पूरे देश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का माहौल बन गया और मीडिया में 24 घंटे इस मुद्दे की चर्चा होने लगी तब जाकर कांग्रेस ने न्योता नामंजूर किया। इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा का यह नैरेटिव स्थापित हो गया कि कांग्रेस हमेशा राम की विरोधी रही है और सबको पहले से पता था कि कांग्रेस के नेता रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में नहीं जाएंगे। इस बात को लोग तुरंत इसलिए स्वीकार कर लेंगे क्योंकि सोनिया व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा में से कोई भी आज तक अयोध्या में रामलला के दर्शन करने नहीं गया है। राहुल और प्रियंका तो पिछले चुनाव में अयोध्या और फैजाबाद तक गए लेकिन रामलला के दर्शन करने नहीं गए। भाजपा को यह इतिहास पता था इसलिए उसने कांग्रेस को ऐसी स्थिति में डाला, जहां से कांग्रेस अपना कुछ नुकसान करके ही निकल पाती।इस बार कांग्रेस के पास एक मौका था कि वह भाजपा को चौंका देती। अगर कांग्रेस के नेता अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में चले जाते तो भाजपा को अपना नैरेटिव बदलना पड़ता। वह फिर कांग्रेस को रामद्रोही बताने की बजाय कहती कि मजबूरी में या भाजपा के दबाव में कांग्रेस रामलला को स्वीकार कर रही है। इससे कांग्रेस को अगर कोई फायदा नहीं होता तो नुकसान भी नहीं होता। ध्यान रहे कांग्रेस को पिछले चुनाव में भाजपा को मिले 22 करोड़ वोट में से वोट नहीं तोड़ना है, बल्कि उसके अलावा जो 40 करोड़ से ज्यादा वोट भाजपा के खिलाफ गए थे उनको एकजुट करना है। भाजपा के खिलाफ पड़े वोट का बड़ा हिस्सा हिंदू मतदाताओं का ही है। उसमें कांग्रेस के प्रति अगर पहले से कोई दुराग्रह है तो वह रामलला की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा में जाने से खत्म होता या उसकी तीव्रता कम होती। इसके साथ ही कांग्रेस जो अपनी दुविधा के कारण गाहे-बगाहे इस बात का श्रेय लेती रहती है कि राजीव गांधी ने राममंदिर का ताला खुलवाया था वह खुल कर इस बात को कह सकती थी और राममंदिर के अभियान में अपनी भूमिका बता सकती थी। लेकिन कांग्रेस ने वह मौका गंवा दिया।

-अजीत द्विवेदी-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

अहसासों के रंग...

न जाने कितनी गहराई से
लिखी थी वह स्त्री
अपने ह्रदय की जज्बात
पलकों से बह गए सारे उन्माद
रो पड़ी अहसासों के रंग से
मीठी थी शब्दों की आहट
खुद की बारी आयी तो रो पड़ी
लिख दी अपनी जीवन की वह मर्म
शब्दों के ताने बाने बुनकर
जब हुआ अहसास
न कह सकी किसी से
दिल की जज्बात
कभी वह खुद को झांकती
कभी वह अपने मां को झांकती
कहनी थी उसे उस पुरुष की बात
जिसने जीवन के खुशियों में
भर दी उन्माद
अहसासों के रंग में लिखकर
कह दी पुरी अपनी जज्बात
उन्मादों के भंवर में
फिर रो पड़ी आज
अहसासों के रंग में ...
रंग गई फिर जज्बात

लक्ष्मी नारायण लहरे साहिल
कोसीर सारंगढ़
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

सर्दी का समय

अभी सवेरा नहीं हुआ है
उस सुबह द रीज़न..
बर्फ की बारिश
उस सूरज को
छाता पकड़े हुए
उस दोष के प्रकाश में
जबकि तेजी से आगे नहीं बढ़ रहे हैं
यथास्थिति स्थिर है...
स्वाद के लिए एक कप काली
चाय डाली जाती है
वो सर्दी सुबह में
संवेदनहीन रूप से सुस्त...

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव

मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव
मैं जन-जन के संगवारी आंव
दीन-हीन मोर देवता-धामी
मैं हर सबके पुजारी आंव।
मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव
दुखिया के मैं दुख हर जावंव
दया-मया के सुख बगरावंव
मैं सँजीवनि-बूटी बन जावंव
मैं पावन- अमृत बन जावंव
लरे-परे बर गुनिया बन जावंव
मैं मया-प्रीत के दरबारी आंव
मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव...
पापी के मैं पाप हर जावंव
दान-पुण्य के अलख जगावंव
भटके बर रद्दा बन जावंव
गिरे-परे बर कंधा बन जावंव
गंगा-जमुना-सरस्वती
मैं मया-प्रीत तीन-धारी आंव
मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव...
मैं गोकुल-मथुरा बन जावंव
बलदाऊ-कान्हा बन जावंव
अवधपुरी-कौशल बन जावंव
राम-लखन मैं हर बन जावंव
चारो-धाम मैं चारो-तीरथ,
मैं सरग-धाम,दुवारी आंव
मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव...
उघरा बर मैं वसना आंव
दीन-हीन बर बसना आंव
भुखिया बर मैं जेवना आंव
मैं कुटिया अउ छ्न्ना आंव
अन्नपूर्णा मैं मनोकामना
मैं छत्तीसगढ़ के माटी आंव
मैं छत्तीसगढ़ के चिन्हारी आंव...

अशोक पटेल आशु
तुस्मा,शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

नई दिल्ली में सीआईए की अड़ियल कूटनीति

जनवरी में भारतीय परिवारों को नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में दशकों पहले पोस्ट किए गए एक अमेरिकी जोड़े द्वारा चॉकलेट केक और एगनॉग कॉकटेल से परिचित कराए जाने की लजीज सालगिरह मनाई जाती है। अनोखा स्पंज केक अंदर से नरम, बाहर और भी नरम चॉकलेट कोटिंग के साथ बारबरा रोसित्ज़के द्वारा तैयार किया गया था और पहली बार 1959 में नए साल के दिन भारतीय मेहमानों के लिए पेश किया गया था।

बारबरा का विवाह दूतावास में प्रथम सचिव (राजनीतिक) हैरी रोसित्ज़के से हुआ था। उसे भारतीय दोस्तों को यह बताना अच्छा लगता था कि वह कैसे रोचेस्टर विश्वविद्यालय में हैरी की छात्रा थी। स्नातक होने के बाद, उन्होंने शादी कर ली और बारबरा ने दिल्ली सहित कई राजनयिक पोस्टिंग के दौरान अपने पति का वफादारी से समर्थन किया, जहां कथित तौर पर उन्हें विदेश विभाग द्वारा नियुक्त किया गया था। कई मायनों में, वे विशिष्ट पश्चिमी राजनयिक थे उचित वेतन पाने वाले, मेहमाननवाज़ और हमेशा अपने स्थानीय मित्रों में रुचि रखने वाले। बारबरा, अपने मोटे रिम वाले चश्मे के साथ, विभिन्न अमेरिकी दूतावासों में कभी-कभार सचिव के रूप में अपने सुस्त पेशेवर जीवन को हंसते हुए खारिज कर देती थीं। हैरी अपने काम के बारे में कम ही बात करते थे।

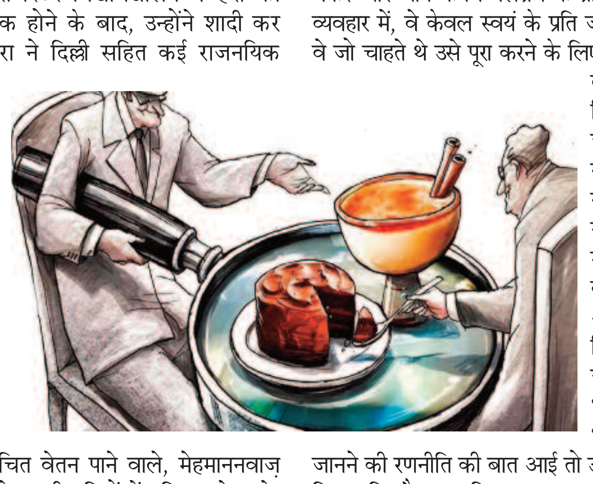

दोनों ने यह खुलासा नहीं किया कि वे दिल्ली में केंद्रीय खुफिया एजेंसी या सीआईए की आंखें और कान कैसे थे। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, दोनों ने सीआईए के पूर्ववर्ती, अमेरिकी सामरिक सेवा कार्यालय में काम किया था। बारबरा, हैरी की तरह, एक बहुत सम्मानित खुफ़िया पेशेवर थी। नई दिल्ली में, उनके शांत व्यवहार के पीछे एक तेज़ दिमाग और हास्य की भावना छिपी हुई थी, जो मेहमानों को हमेशा सहज महसूस कराने में मदद करती थी।

रोसिट्ज़केस का बेटा, ब्रॉक, मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक था। मसूरी में वुडस्टॉक स्कूल जाने से पहले, उन्होंने मुझे चाणक्यपुरी में अपनी बाइक चलाना सिखाया और मैंने उन्हें डिफेंस कॉलोनी की सड़कों पर 'गिल्ली डंडा' और 'पतंग' के खेल से परिचित कराया। शनिवार की रात को उनके घर पर हमारा भोजन रसोई की सीढ़ी पर चमक रहा था ताकि हम एक रात पहले पकाए गए चॉकलेट केक को उठा सकें।

हमें कभी भी मना नहीं किया गया, हालाँकि जब एग्नॉग कॉकटेल की बात आती थी तो सख्त सीमाएँ लागू की जाती थीं, उदारतापूर्वक बोर्बोन से सराबोर किया जाता था, जिसे हैरी और बारबरा अपने मेहमानों को रात के खाने से पहले कॉकटेल के रूप में परोसते थे। एग्नॉग्स तुरंत हिट हो गए किसी अन्य राजनयिक ने उनके बारे में कभी नहीं सुना था। जब तक बारबरा के शानदार केक के साथ रात्रिभोज समाप्त हुआ, तब तक अधिकांश मेहमान रोसिट्ज़केस के हाथों में पोटीन की तरह थे।

इसमें हैरी और बारबरा की आसान अनौपचारिकता, उनके पहले नाम से संबोधित किए जाने की जिद, उनका कुछ कर सकने वाला रवैया और उनके सामने आने वाले हर भारतीय के घर में प्रवेश की गारंटी को जोड़ दें। बारबरा ने अपने दोस्तों को हनी कहा और हैरी ने युवा लोगों को सर कहा। भारतीय, जो अभी भी औपनिवेशिक शासन के दुखों से उबर रहे थे, उन्होंने मानवाधिकारों या अमेरिका में अश्वेतों के खिलाफ घोर नस्लवादी भेदभाव के बारे में नहीं पूछा। उनके बीच, उन्होंने अपने देश को सभी के लिए नौकरियों, धन और छात्रवृत्ति से भरे स्वर्ग के रूप में चित्रित किया। एक शनिवार की सुबह, हैरी ने मुझसे घोषणा की, ÷मैंने तुम्हें पेंसिल्वेनिया के जॉर्ज स्कूल में पूरी छात्रवृत्ति दिलवा दी है। उसके बाद आप हार्वर्ड या प्रिंसटन जा सकते हैं। मैंने उसके उदार प्रस्ताव को स्वीकार न करने का निर्णय लिया।

सिद्धांत रूप में, रोसिट्ज़केस हैरी के राजदूतों, एल्सवर्थ बंकर और जॉन केनेथ गैलब्रेथ के प्रति जवाबदेह थे। व्यवहार में, वे केवल स्वयं के प्रति जवाबदेह थे और वे जो चाहते थे उसे पूरा करने के लिए उन्हें खुली छूट दी गई थी। जैसा कि अब पता चला है, उनकी सामाजिक सभाएं गुप्त गतिविधि का मुखौटा और एक बड़े खुफिया ऑपरेशन का हिस्सा थीं। जब हैरी की भारत और भारतीयों को जानने की रणनीति की बात आई तो उनका सामाजिक मिलन हिमशैल का सिरा था। कुछ बाहरी लोगों की तरह, दिल्ली के सोशलाइट भी अंडे के छिलकों और चॉकलेट केक का स्वाद चखने के लिए आमंत्रित होने के इच्छुक थे। बारबरा को दूसरे राज्य के एक राजनेता की कहानी सुनाना पसंद आया जो एक शनिवार की शाम को बिना बताए आ गया और स्पष्टीकरण देते हुए कहा, क्योंकि मैं खुद इन पार्टियों को देखना चाहती हूं जिसके लिए आप और आपके पति इतने प्रसिद्ध हैं।

2002 में हैरी की मृत्यु के बाद से, पांच अन्य सीआईए अधिकारियों के कट्टर समूह के बारे में और अधिक बातें सामने आई हैं, जिन्होंने उसके अधीन काम किया और सोवियत और पूर्वी यूरोपीय दूतावासों से राजनयिकों की भर्ती की। स्थानीय कम्युनिस्ट पार्टियों में घुसपैठ करने और उन्हें बाधित करने के निर्देश के साथ भारतीयों को भी काम पर रखा गया था।

हैरी ने अनिवार्य रूप से अपने और अपने परिवार के लिए शहर से बाहर के कुछ बेहतरीन कार्य रखे। एक सप्ताहांत, हमने पारिवारिक शेवरले में दिल्ली से जयपुर की यात्रा की और एक जीर्ण-शीर्ण रामबाग पैलेस, आंशिक रूप से होटल और आंशिक रूप से शाही निवास पर पहुँचे। आगंतुकों को ट्रैपेज़ वाले स्विमिंग पूल तक पहुंच प्राप्त थी, लेकिन उन्हें बताया गया कि दोपहर से 2 बजे के बीच इसकी अनुमति नहीं थी, जबकि यह केवल गायत्री देवी और अन्य राजघरानों के उपयोग के लिए था।

हैरी का उत्तराधिकारी डेविड ब्ली बना, जो अब गुमनामी में डूब गया है। लेकिन उनके पूर्ववर्ती रंगीन, जीवन से भी बड़े जैक कुरेन थे, जो अमेरिकी बिजनेस उत्तराधिकारी कैथी गैंबल के पति थे। अपने जीवनकाल के दौरान, कुरेन की पहचान सीआईए विशेषज्ञ के रूप में की गई थी, जिसने एयर इंडिया के कश्मीर प्रिंसेस विमान को नष्ट करने के लिए एक ताइवानी आतंकवादी को नियुक्त किया था, जिसे बीजिंग ने ले जाने के लिए किराए पर लिया था।

-त्रिवेणी देवांगन-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

कभी राम मंदिर का मुद्दा उठानेवाली कांग्रेस मंदिर उद्घाटन से दूर क्यों ?

जब स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने राम मंदिर को राजनीतिक मुद्दा बनाकर चुनावी वैतरणी पार की थी। दरअसल, 1948 में यूनाइटेड प्रोविंस (आज का उत्तर प्रदेश) की 13 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने थे। इन 13 सीटों में एक सीट फैजाबाद थी।

समाजवादी नेता आचार्य नरेंद्र देव के सामने कांग्रेस के प्रत्याशी बाबा राघवदास कमजोर पड़ रहे थे तो उन्होंने घोषणा की कि वे चुनाव जीतने के बाद रामजन्मभूमि को विरोधियों से मुक्त कराएंगे। चुनाव प्रचार के दौरान बाबा राघवदास फैजाबाद की जनता को यह समझाने का प्रयास करते रहे कि कांग्रेस ही रामजन्मभूमि का मसला सुलझा सकती है।

फैजाबाद की जनता ने कांग्रेस प्रत्याशी बाबा राघवदास को जिता दिया और रामजन्मभूमि का मुद्दा राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया। बाबा राघवदास ने अपने चुनावी वादे के अनुसार अयोध्या के साधु-संतों के साथ बैठकें भी की किंतु दिसंबर, 1949 में बाबरी ढाँचे के भीतर भगवान राम की मूर्ति प्रकट हुई जिसके बाद पूरा राजनीतिक परिदृश्य ही बदल गया। जवाहरलाल नेहरू ने जहां इस घटना पर गहरा दुःख व्यक्त किया वहीं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और हिंदू महासभा ने यह घोषणा कर दी कि प्रभु श्रीराम ने स्वयं प्रकट होकर यह संदेश दिया कि यह स्थान उनकी जन्मभूमि है। इसके बाद से ही रामजन्मभूमि का मुद्दा कांग्रेस बनाम हिंदूवादी संगठन हो गया। हालांकि कांग्रेस के पास राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहते सुनहरा अवसर था कि वह बहुसंख्यक जनआस्था के इस मुद्दे को सुलझाकर नेहरू की गलती सुधार सकती थी किंतु 1980 के दशक के शाहबानो मामले में मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों को झेल रहे राजीव गांधी ने 1986 में जज केएम पांडेय के आदेश से गर्भगृह के खोले गए ताले को अपनी सरकार की उपलब्धि बताया तो बात और बिगड़ गई। राजीव गांधी पर रामजन्मभूमि को मुक्त करवाने का जबरदस्त दबाव पड़ने लगा और वे इस दिशा में कुछ कर पाते उससे पहले ही 1991 में आतंकी हमले में उनकी मृत्यु हो गई। इसके पश्चात पीवी नरसिंह राव ने देश की राजनीति में उठ रही हिंदुत्व की लहर को पहचान कर अयोध्या मामले का हल निकालने का प्रयास किया किंतु अयोध्या की आंधी ने हिंदूवादी राजनीति की जिस नींव को पुख्ता कर दिया था, उसे हिलाने का दम कांग्रेसी प्रधानमंत्री में नहीं था, जिसके बाद कांग्रेस के लिए रामजन्मभूमि का मुद्दा मुस्लिम वोट बैंक को एकजुट करने और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए बच गया और पार्टी का चेहरा हिंदू-विरोधी बन गया।

एक समय कांग्रेस में भी धर्मनिष्ठ नेताओं का बोलबाला था और वे हिंदू हितों की बात को पुरजोर तरीके से उठाते थे किंतु सोनिया गांधी के हाथों में कांग्रेस की लगाम आते ही हिंदूवादी हित गौण हो गए और मुस्लिम तुष्टिकरण बढ़ता गया। अहमद पटेल, अंबिका सोनी, पी चिदंबरम जैसे नेताओं ने कांग्रेस नेतृत्व को हिंदुओं से दूर कर दिया। दो दशक के सोनिया काल में कांग्रेस दिग्भ्रमिता की स्थिति में रही। यहां तक कि राहुल गांधी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते भी कांग्रेस हिंदू-मुस्लिम के भ्रमजाल में फंसी रही। कांग्रेस की गिरती साख और सिमटता जनादेश भी इसकी पुष्टि करता है कि मुस्लिम तुष्टिकरण के चलते हिंदुओं ने पार्टी से दूरी बना ली है। आज यह स्थिति है कि कांग्रेस राज्य इकाइयों में जितने सदस्य बनाती है, उतनी विधानसभा की सीटें तक नहीं जीत पाती। 2017 में गुजरात में हो रहे विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी मंदिरों की परिक्रमा कर रहे थे क्योंकि उन्हें भाजपा के हिंदुत्व के मुकाबले कांग्रेस को स्थापित करना था किंतु वे संभवतः भूल गए थे कि यदि जनता को भाजपा और कांग्रेस के हिंदुत्व में से किसी एक को चुनना हो तो वह भाजपा को ही चुनेगी।

-सिद्धार्थ शंकर गौतम-

जिद्द छोड़ो भाई

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक(हरियाणा)

हमें अपने जीवन में तरह-तरह के आदमी देखने को मिलते हैं,कोई भोला भाला,कोई मीठा बोलने वाला, कोई क्रोधी, कोई अहंकारी, कोई लोभी तो कोई जिद्दी। असल में तो मनुष्य में अच्छी तथा बुरी सब प्रकार की आदतें तथा स्वभाव होता है। कोई भी आदमी पूरी तरह ठीक या गलत नहीं होता। समय, स्थान, परिस्थिति, व्यक्ति ही उसके व्यवहार को प्रभावित करते हैं। आजकल एक बात हम सभी लोगों के बारे में सुनते हैं... वह यह कि अमुक व्यक्ति को गुस्सा बहुत आता है, वह क्रोधी बहुत है। लेकिन इन सब बातों से ऊपर आदमी की एक और प्रवृत्ति है जोकि उसका तथा दूसरों का सत्यानाश कर देती है और वह है आदमी का जिद्दी होना, उसका हठीला होना। पहले समय में राज हठ, बाल हठ तथा तिरिया हठ के बारे में ज्यादा सुना जाता था। लेकिन आजकल तो जिसे भी देखो वह जिद्दी, अड़ियल तथा हठी बना हुआ है

कई बार हठ बेवकूफी, अज्ञानता, अहंकार तथा लापरवाही की वजह से होता है। कई बार लोगों का जिद्दी या अड़यिल होना क्षणिक होता है जो कुछ समय के बाद ठीक हो जाता है लेकिन कई बार यह जिद्द दुश्मनी में बदल जाती है जिसका परिणाम खतरनाक होता है। हमारे परिवारों में, समाज में तथा देश में इस जिद्द के कारण खून खराबा होता है। अगर जिन्ना पाकिस्तान बनाने की जिद्द ना करता तो भारत विभाजन कभी नहीं होता। 1947 से लेकर अब तक भारत और पाकिस्तान में जो आपसी जद्दि ना होती तो आपसी अविश्वास तथा युद्ध की बात कभी नहीं होती। ईरान और इराक का युद्ध 10 साल तक चलता रहा। इसमें से कुछ भी नहीं निकला। यह युद्ध सिर्फ एक दूसरे को नीचा दिखाने की जद्दि के कारण ही लड़ा गया। इसराइल और हमास, यूक्रेन तथा रूस का लंबा युद्ध भी जिद्द के कारण ही लड़ा जा रहा है। विश्व के अलग-अलग भागों में आतंकवादी व्यापकता,बमबारी,खून खराबा, तोड़फोड़, हिंसा तथा हत्या का खेल जिद्द के कारण ही हो रहा है। पाकिस्तान से पूछा जा सकता है कि जब उसके अपने ही यहां इतनी तोड़फोड़ हो रही है, आतंकवाद ने लोगों का नाक में दम कर रखा है, उसकी अर्थव्यवस्था चौपट हो रही है तो फिर वह भारत के साथ युद्ध जैसी स्थिति पैदा करके आतंकवादियों को भेज कर उन पर इतना पैसा क्यों बर्बाद कर रहा है? कोई देश उसको उधार नहीं देना चाहता, पाकिस्तान कर्ज में डूबा हुआ है, उसे आतंकवाद का केंद्र माना जाता है, फिर भी वह आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। इस जद्दि से उसे क्या मिलेगा?

दोस्तों! याद रखो जिद्द एक बहुत खतरनाक मानसिक विकृति है। इसके फल स्वरुप आज तक किसी को सुख, शांति, सुकून या स्मृद्धि नहीं मिली हां, अगर किसी अच्छे काम को करने के लिए जिद्द की जाए तो फिर ठीक बात है। लेकिन आमतौर पर जिद का संबंध नकारात्मक पक्ष से होता है, सकारात्मक पक्ष से नहीं। इसी जिद के कारण हंसते खेलते परिवार तबाह हो जाते हैं, घरों तथा काम धंधों का बंटवारा हो जाता है, दोस्ती दुश्मनी में बदल जाती है, लोग अलग-थलग पड़ जाते हैं। इन सब बातों का उन्हे पश्चाताप तो होता है लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। उनका अहंकार उन्हें भूल सुधार करने की अनुमति नहीं देता, तभी तो आज के बहुत सारे युवक और युवतियां, जो प्रेम विवाह करते हैं एक दूसरे के साथ किसी ना किसी बात को लेकर जिद्द करने लग जाते हैं, सात सात जन्मों तक इकट्ठे रहने की कसमें खाने वाले 7 महीने भी पूरे नहीं कर पाते और कोर्ट कचहरी में भाग कर तलाक ले लेते हैं। अधिकांश तलाक शुदा लड़कों तथा लड़कियों का दूसरा विवाह करने के बाद प्राय पहले विवाह से भी ज्यादा बदतर हो जाता है। क्या मिला इस जद्दि से? विवाह शादी पर लाखों रुपए भी बर्बाद हुए, अपनी तथा मां-बाप की बदनामी भी हुई, सिर्फ आपसी अहंकार तथा जद्दि के कारण। कई बार छोटी-छोटी बातों को लेकर लोगों का आपस में मनमुटाव हो जाता है। कल तक अच्छे संबंध वाले लोग गलतफहमी के कारण एक दूसरे को नीचा दिखाने की जिद्द करने लगते हैं। दोनों ही पक्षों को ब्लड प्रेशर, टेंशन, एक दूसरे के प्रति नफरत आदि होने लगती है। किसी भी स्थिति में कोई भी पक्ष दूसरे को माफ करना नहीं चाहता। परिणाम चाहे जो भी हो दोनों के लिए खतरनाक होता है। वह री जिद्द! दोस्तों! जिद्द छोड़ो। हम कभी भी दूसरे को अपने मुताबिक नहीं चला सकते। क्या अगर कोई हमें यह कहे कि आप दूसरों के मुताबिक चलो, क्या हर बात में हम दूसरों की आज्ञा का पालन करेंगे या कर सकेंगे? कभी नहीं। हमें समझाना तो खुद को पड़ेगा। दूसरों को समझाना, दूसरों को यह कहना कि आप जद्दि मत करो। इसमें सफलता नहीं मिल सकती। हम खुद जिद्द छोड़ दें, अड़यिल रवैया छोड़ दे, शायद कुछ सफलता मिले। अहंकार, क्रोध, जिद्द, अड़ियल रवैया, आत्ममुग्धता, सिर्फ मैं ही ठीक हूं, की भावना मानवता को पथभ्रष्ट करने वाले हैं। हमें अपना मार्ग सोच समझ कर ही चुनना चाहिए। जद्दि को नियंत्रित करने के लिए तर्कशीलता, व्यापक दृष्टिकोण, आत्म निरीक्षण, संयम, समझदारी तथा दूरदर्शिता की जरूरत है। जिद्द करना आत्महत्या करने के बराबर है।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

क्या स्वास्थ्य मंत्री के समाज के कुछ लोग खुद को उनका रिश्तेदार बताकर कर विभाग में अपनी धौंस दिखाना चाह रहे हैं?

मनेन्द्रगढ़ विधायक के स्वास्थ्य मंत्री बनते ही स्वास्थ्य विभाग में उनके समाज के लोग उन्हें अपना रिश्तेदार बताकर ट्रांसफर पोस्टिंग की जुगाड में:सूत्र

» जिला अस्पताल में पदस्थ अटेंडर जो स्वास्थ्य मंत्री के समाज से आते हैं स्वास्थ्य मंत्री को अपना रिश्तेदार बताते आ रहे हैं...

» स्वास्थ्य मंत्री की स्वक्ष छवि के लिए खतरा...उन्हीं के समाज के लोग बन सकते हैं...

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर, 13 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में सत्ता में वापसी करने के बाद भाजपा ने काफी सोच समझकर विष्णु देव साय कैबिनेट की बॉडी तैयार की था, जिससे छत्तीसगढ़ में सही तरीके से भाजपा की सरकार चल सके और विरोध जैसा कोई मामला पुरानी सरकार जैसा सामने न आए, जिससे आने वाले समय या चुनाव में दिक्कत आए,जिसके लिए बड़े सोच समझकर एक-एक व्यक्ति को चुनकर मंत्रिमंडल में जगह दिया गया,जिसमें से सरगुजा संभाग के मनेंद्रगढ़ विधायक को महत्वपूर्ण स्वास्थ्य मंत्रालय का दायित्व दिया गया,जैसे ही महेंद्रगढ़ विधायक को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर थी और भाजपा के फैसले को बहुत अच्छा फैसला बताया जा रहा था पर अचानक स्वास्थ्य मंत्री की छवि पर ही आंच आने लगी है और यह आंच की वजह कोई और नहीं उन्ही के समाज के कुछ स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी है जो स्वास्थ्य मंत्री को रिश्तेदार बताकर अब अपना एक अलग ही धौस जमाने लगे हैं,स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी इस समय अधिकारी से कम नहीं नजर आ रहे हैं, स्थिति यह हो गई है कि अब मनचाहा पद दिलाने के लिए लोगों को राह चलते निमंत्रण देते चल रहे हैं, स्वास्थ्य मंत्री के समाज के स्वास्थ्य विभाग में ही कार्यरत लोग, किसी मंत्री का रिश्तेदार होना अच्छी बात है गर्व भी होना चाहिए पर मंत्री की छवि का भी ध्यान रखना चाहिए।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस समय जिला अस्पताल बैकुंठपुर के स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी जो एक अटेंडर है वह अपने आप को स्वास्थ्य मंत्री का रिश्तेदार बता रहे हैं और सभी को उसका धौस भी दिखा रहे हैं, यहां तक की स्वास्थ्य विभाग में किसको कहां पद चाहिए यह भी अब वही तय करेंगे जैसा वह खुद दावा कर रहे हैं, सूत्रों के अनुसार इस वजह से वह काफी सुर्खियों में है हर तरफ कर्मचारियों के बीच उनकी चर्चाएं हैं जबकि यह स्वास्थ्य कर्मचारी खुद सेवानिवृत होने के कगार पर है फिर भी अपने समाज के कुछ लोगों को स्वास्थ्य विभाग में मनचाहा पद देने का वादा कर बैठे हैं, क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री उनके रिश्तेदार हैं जैसा उनका ही दावा है, यह मामला ऐसा है जिसे लेकर अब यह सवाल उठ रहा है की स्वास्थ्य मंत्री जिले संभाग और प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधा बेहतर करने का काम करेंगे या फिर वह रिश्तेदारों के अनुसार उनके मनपसंद को बढ़िया पद देते चलेंगे। वैसे मनेंद्रगढ़ विधायक युवा हैं और भाजपा की छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रीमंडल में युवाओं को ज्यादा अवसर मिला है इस बार जिसका कारण है की वह अपनी ऊर्जा अपनी बेहतर क्षमता से काम कर सकें और भविष्य में पुनः भाजपा की सरकार की वापसी प्रदेश में करा सकें लेकिन यदि ऐसे ऊर्जावान मंत्रियों विधायकों के समाज के ही लोग उनकी क्षवि धूमिल करेंगे तो उन्हे नुकसान तो होगा ही साथ ही भाजपा के लिए भी यह अच्छा नहीं होगा। वैसे स्वास्थ्य मंत्री ने किसी को ऐसा कोई निर्देश या आश्वासन दिया होगा लगता नहीं क्योंकि उन्हे पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर करने का जिम्मा मिला हुआ है।

क्या स्वास्थ्य मंत्री का खुद को रिश्तेदार बताकर स्वास्थ्य विभाग में धौंस जमाने वाले कर्मचारियों को स्वास्थ्य मंत्री की छवि की चिंता नहीं है

अब सवाल यह उठता है की स्वास्थ्य मंत्री का खुद को रिश्तेदार बताकर स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत कुछ कर्मचारी जो विभाग में अपनी धौंस जमा रहे हैं उन्हे क्या मंत्री जी की छवि की चिंता नहीं है।क्या वह यह चाहते हैं की उनकी वजह से स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य विभाग में उनके अनुसार फेरबदल करें। वैसे स्वास्थ्य मंत्री ऐसी किसी बात से कतई ऐतबार नहीं रखते होंगे यह तय है। अब देखना है की खबर प्रकाशित होने के बाद मंत्री जी इस मामले में संज्ञान लेते हैं की नहीं।

स्वास्थ्य विभाग है बड़ी जिम्मेदारी वाला विभाग,स्वास्थ्य मंत्री को रखना होगा बड़ी हिफाजत से स्वास्थ्य व्यवस्था का ध्यान

स्वास्थ्य विभाग बड़ी जिम्मेदारियों वाला विभाग है,यह लोगों से जीवन से जुड़ा स्वास्थ्य से जुड़ा विभाग है और इसका जिम्मा मिलना ही मनेंद्रगढ़ विधायक के लिए बड़ी बात है। स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए मनेंद्रगढ़ विधायक को इसका बड़ी हिफाजत से ध्यान रखना होगा। यह विभाग उन्हे बड़ी जिम्मेदारियों वाला मिला है ऐसा इसलिए भी कहा जा सकता है क्योंकि यह कर्मचारियों के हिसाब से भी बड़ी स्थापना वाला विभाग है और उन्हे कर्मचारियों अधिकारियों को भी विश्वास में लेकर काम करना होगा सभी के हित अहित का ध्यान रखना होगा।

गुड़ और तिल की सोंधी खुशबू से गुलजार हुआ तिलकुट बाजार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

मकर संक्राति में तिलकुट और तिल का काफी महत्व होता है। मकर संक्रांति पर्व को लेकर बाजार में तिलकुट का बाजार सज गया है। लगभग दो दर्जन से अधिक जगहों पर तिलकुट बनाने का काम हो रहा है। प्रतिदिन लगभग 4 क्विंटल के अधिक गुड़ और चीनी के तिलकुट बिक रहे हैं।

मकर संक्रांत पर चूरा-तिलकुट का विशेष महत्व रहता है। पूरा बाजार तिल और गुड़ की सोंधी खुशबू से चहक रहा है और दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। शुक्रवार को पर्व को लेकर दो दिन पहले से ही लोगों ने चूरा-तिलकुट, तिल की लड्डू की जमकर खरीदारी शुरू कर दी। मकर संक्रांति के त्योहार में खिचड़ी, तिल और गुड़ से बने पदार्थ व मिठाई खाने का प्रचलन है। अंबिकापुर में लगभग दो दर्जन से अधिक स्थानों पर तिलकुट बनाए जा रहे हैं। मकर संक्रांति का त्योहार नजदीक होने के कारण तिलकुट बनाने का काम दिन रात चल रहा है। व्यवसायी के अनुसार शहर में लगभग हर 4 से 5 क्विंटल से अधिक गुड़ व चीनी से बने तिलकुट की खपत है। वहीं शहर के गुदरी बाजार, गुदरी चौक, देवी गंज रोड, घड़ी चौक सहित अन्य स्थानों पर लगभग दर्जनों तिलकुट की दुकानें सज चुकी है। हालांकि शहर में तिलकुट की मांग दो माह पूर्व से चल रही है। पर मकर संक्रांति का त्योहार नजदीक आते ही इसका डिमांट ज्यादा बढ़ गया है।

क्या है बिक्री भाव

तिलकुट- 200- 300 किलो
चूड़ा- 50 - 60 किलो
गुड़ - 50- 80 किलो
दही- 80- 120 किलो
चूड़ा का लड्डू- 20 रूपए का 10 पीस
काला तिल का लड्डू- 200-300 किलो
बादाम लड्डू -300-400 रुपए किलो

गुड़-तिल के सेवन से बढ़ती है प्रतिरोधक क्षमता

आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. एसके सिंह के अनुसार इस मौसम में चलने वाली सर्द हवाएं कई बीमारियों का कारण बन सकती है। इसलिए खिचड़ी, तिल और गुड़ का सेवन करने से शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। शहर व ग्रामीण क्षेत्रों के बाजारों में तिलकुट सहित चूड़ा-गुड़ एवं तिल के लड्डुओं की दुकानें सज गई हैं। इन दुकानों पर खरीदारों की भीड़ भी पहुंच रही हैं।

दान पुण्य करने की है मान्यता

इस वर्ष मकर संक्रांति दो दिन मनाया जा रहा है। ऐसे मान्यता के अनुसार 14 जनवारी को मकर संक्रांति का त्योहार मनाया जाता है। वहीं कुछ स्थानों पर 15 जनवारी को भी मनाया जाएगा। इस दिन धार्मिक परंपरा के अनुसार मकर संक्रांति के दिन श्रद्धालु स्नान कर दान पुण्य करते हैं।

मिट्टी दुलाई कर छात्र भर रहे गड्ढ़े

» लगभग एक दर्जन से अधिक स्कूली बच्चों से फावड़ा से मिट्टी खुदवाया प्रधान पाठक ने...

- मनोज कुमार -
लखनपुर, 13 जनवरी 2023
(घटती-घटना)।

शिक्षा विभाग आए दिन किसी न किसी विषय को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहता है कुछ ऐसे ही देखने को मिला लखनपुर विकासखंड में जहां हेड मास्टर खड़े होकर स्कूली बच्चों से मिट्टी ढुलाई का कार्य करवा रहे थे प्राप्त जानकारी के मुताबिक लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत भरतपुर माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक 13 जनवरी दिन शनिवार की सुबह लगभग 10:30 बजे बैगलेस डे के दिन स्कूल में आए लगभग एक दर्जन से अधिक बच्चों से फावड़ा से मिट्टी खुदवा बोरी से उठवाकर स्कूल के सामने गड्ढे में मिट्टी भटिंग का कार्य करवा रहे थे। जबकि बैगलेस डे के दिन बच्चों के शारीरिक और बौद्धिक विकास को लेकर खेलकूद कराया जाता है परंतु स्कूल में तो कुछ अलग ही देखने को मिला जहां हेड मास्टर खुद खड़े होकर स्कूल के बच्चों से मिट्टी ढुलाई का कार्य करव रहे थे। जब मीडिया कर्मियों ने बच्चों से पूछा तो उनके द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन हेड मास्टर के द्वारा स्कूली बच्चों से रूम और स्कूल परिसर में झाड़ू लगवाने का कार्य किया जाता है वही वही बैगलेस डे के दिन हेड मास्टर के कहने पर बच्चों के द्वारा मजबूरी में मिट्टी ढुलाई का कार्य किया जा रहा था।

इस संबंध में माध्यमिक शाला के हेडमास्टर चरित्र सिंह आर्मो मैं सफाई देते हुए कहा कि इक्को क्लब के तहत स्कूली बच्चों से कार्य करा सकते हैं। साथ ही बताया गया कि पाइपलाइन बिछाने के लिए स्कूल के सामने गड्ढे खोदे गए थे जिसमें बच्चों के द्वारा मिट्टी भाटने का कार्य किया जा रहा है।

विवेक सिंह को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

शहर के विवेक सिंह को आर्ट यूनिवर्सिटी फरीदाबाद द्वारा फाइनेंस विषय पर पीएचडी डिग्री प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय में आयोजित दीक्षांत समारोह में हरियाणा के शिक्षा मंत्री कंवल पाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ सीपी यादव तथा तमिलनाडु विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विश्वरंजन शर्मा के हाथों यह डिग्री प्रदान किया गया। विवेक ने बहुत की कम डॉक्यूमेंटेन के साथ फाइनेंस की विधियों तथा मार्केटिंग के प्रकारों पर अपना शोध पत्र पढ़ा। साथ ही इस विधि को डॉ. राणा प्रताप बजाज की किताब में भी जगह दी गई है। फरीदाबाद में आयोजित इस दीक्षांत समारोह में सभी विषयों में अव्वल रहने वाले छात्रों को गोल्ड मैडल भी प्रदान किया गया ।

स्वामी विवेकानंद जयंती पर रंगोली व अन्य कार्यक्रम का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में स्वामी विवेकानन्द जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन महाविद्यालय आडिटोरियम में किया गया । जिसके अंतर्गत जिला प्रशासन, नगर निगम एवं महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस महोत्सव का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा महोत्सव के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के युवाओं को दिए गए उद्बोधन का लाइव प्रसारण प्रोजेक्टर पर किया गया। जिसे भारी संख्या में महाविद्यालय के अधिकारियों कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं ने देखा। इस अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्र-छात्राओं ने रंगोली द्वारा स्वामी विवेकानंद का आकर्षक चित्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रतीक चिन्ह बनाया। स्वयं सेवकों द्वारा÷ विवेकानंद एक खोज नमक लघु नाटिका प्रस्तुत की गई । जिसके माध्यम से विवेकानंद के विचारों को प्रस्तुत किया गया। आधुनिक भारत को प्रदर्शित करती हुई, एक नाटिका स्वयं सेवक छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत की गई । जिसके माध्यम से खेलों का महत्व ,नारी शिक्षा का महत्व, राजनीति , आधुनिक कृषि , वर्तमान मीडिया ,वन संरक्षण एवं सर्वधर्म समभाव को प्रदर्शित किया गया। भाषण के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने विवेकानंद के विचारों को रखा। इस अवसर पर ममता चौहान यूनिसेफ जिला समन्वयक उपस्थित रही। आपने गाने के माध्यम से युवाओं को सजग रहने और स्वामी जी बताये मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। स्वामी तन्मयानंद जी तथा डॉ पुनीत राय भी विवेकानंद जी पर अपने विचार प्रस्तुत करने हेतु उपस्थित हुए। संपूर्ण कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर रिजवान उल्ला, विश्वविद्यालय समन्वयक डॉक्टर एस एन पांडेय, महाविद्यालय गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के प्रभारी डॉक्टर अनिल सिंहा , समस्त विभागाध्यक्ष, एवं भारी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो.राजीव कुमार के द्वारा एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. शशिकला सनमानी के द्वारा किया गया।साथ ही रा.से.यो. वरिष्ठ स्वयंसेवक के रूप में गौतम कुमार गुप्ता उपस्थित रहे। लाइव प्रसारण के लिए तकनीकी सहयोग कंप्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.चेतन कुमार का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में जिला प्रशासन एवं नगर निगम के अधिकारी रितेश सैनी, सौरव राय, शिल्पा पांडे, नीलम कश्यप, अरविंद केसरी एवं कर्मचारी गण भी उपस्थित रहे। स्वच्छता दीदियों ने भी भाग लिया ।

योग के माध्यम से राष्ट्र अराधना की दी गई जानकारी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

स्वामी विवेकानन्द जयंती युवा दिवस के अवसर पर पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र मैनपाट जिला सरगुजा में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार एवं छत्तीसगढ़ योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में समय प्रातः 11 से 1 बजे तक योग विज्ञान के माध्यम से जीवन प्रबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के आसन, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम,खान पान तथा योग के माध्यम से राष्ट्र अराधना कैसे करें इस विषय पर विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया। इस कार्यक्रम में हरिद्वार से आये स्वामी नरेंद्र देव, स्वामी विप्र देव,योग शिक्षक कमलेश योगी, शैलेन्द्र,नरसिंह यादव, मुकेश, पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिंज,बाल गोविन्द गुप्ता एवं प्रशिक्षु पुलिस उपस्थित थे।

नशे के अवैध करोबार पर अंकुश लगाने पुलिस महादिनेशक ने ली वर्चुअल मीटिंग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य के नवनिर्वाचित गृह मंत्री द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के गृह मंत्रालय का कमाल संभालते ही राज्य में नशे के विरुद्ध अवैध शराब विक्रेताओं, कोच्चियों व नशीले पदार्थों पर पूर्ण रूप से अंकुश लगाने व राज्य में कानून व्यवस्था को और मजबूत बनाने हेतु निर्देश गए है। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस महानिदेशक द्वारा राज्य के सभी पुलिस महानिरीक्षक एवं पुलिस अधीक्षकों की वर्चुअल मीटिंग लेते हुए अवैध शराब विक्रेताओं, कोच्चियों व नशीले पदार्थों के परिवहन के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए पूर्णतः अंकुश लगाने हेतु सख्त निर्देश दिया गया।

जिसके परिपालन में सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक द्वारा रेंज के समस्त पुलिस अधीक्षकों को कड़े लहजे में कहा गया कि आप अपने क्षेत्र में आसूचना तंत्र को मजबूत करें तथा नशे के अवैध धंधों में संकल्पित लोगों के विरुद्ध आबकारी एक्ट एवं एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न धाराओं के तहत कठोर कार्रवाई करने में किसी भी प्रकार की कोताही न बरतें। पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज द्वारा रेंज के पुलिसिंग व कानून व्यवस्था में कसावट लाने हेतु समस्त पुलिस अधीक्षकों को कड़े शब्दों में कहा कि आप अपने जिला इकाई,थाना क्षेत्र में निरंतर पेट्रोलिंग व जवानों को गस्त करावे ताकि अपराधियों में पुलिस का भय हो, जिला मुख्यालय व थाना में आए फरियादी किसी निर्दोष, निर्धन व्यक्ति को बेवजह परेशान ना करें यथाशीघ्र फरियादी के समस्या का निराकरण किया जावे तथा दोषियों पर कार्रवाई करने हेतु सख्त हिदायत दिए। अवैध शराब परिवहन एवं विक्रेताओं/कोच्चियों के विरुद्ध रेंज स्तर पर विशेष अभियान चलाकर आबकारी एक्ट की धारा 34 (2) के तहत कुल 23 प्रकरणों में 26 आरोपियों से 350 लीटर अवैध शराब तथा धारा 34 (1)(ए) के तहत कार्रवाई करते हुए 135 प्रकरणों में 164 व्यक्तियों से 425 लीटर अवैध शराब जप्त किया गया। इसी प्रकार कुल 158 प्रकरणों में 190 व्यक्तियों से 775 लीटर देशी/ विदेशी अवैध शराब जप्त कर गिरफ्तारी की जाकर वैधानिक कार्रवाई की गई। इसके उपरांत क्षेत्र में शांति व्यवस्था भंग करने वाले एवं संज्ञेय अपराध घटित करने के अंदेशा पर 40 अनावेदकों के विरुद्ध धारा 151 जा.फौ. की कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित किया गया। इसके अलावा रेंज स्तर पर पृथक से बाउंड ओवर की कार्रवाई भी कराई गई। साथ ही रेंज आईजी द्वारा कहा गया कि इसी प्रकार अवैध नशीले पदार्थ गांजा, ड्रग्स, ब्राउन शुगर एवं जुआ सट्टा तथा कोच्चियों के विरुद्ध विशेष निगाह रखते हुए भविष्य में निरंतर सख्त कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

ताइवान की राष्ट्रपति साई-इंग-वेन ने डाला वोट,जनता से की ये अपील

ताइपे,13 जनवरी 2024। ताइवान में अगले राष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान शनिवार को शुरू हो गया। कुल एक करोड़ 90 लाख लोग इस मतदान में हिस्सा ले रहे हैं। इनमें 10 लाख मतदाता पहली बार वोटिंग प्रक्रिया का हिस्सा बनेंगे। यह वोटिंग कुल 18,000 मतदान केंद्रों में आयोजित कराई गई है। ताइवान की राष्ट्रपति साई-इंग-वेन ने शनिवार को लोगों से मतदान करने की अपील की। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की नेता न्यू ताइपे सिटी के मतदान केंद्र शियुलांग एलिमेंटरी स्कूल में अपना वोट दिया। उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार साओ बी खिम भी वहां मौजूद थे।

साई-इंग-वेन ने कहा, लोकतांत्रिक देश के नागरिक एक वोट से देश का भविष्य तय कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों को साथ लाने का भी अनुरोध किया है।

चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव

चीन के साथ बढ़ते तनाव के बीच ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव हो रहे हैं। पूरी दुनिया की नजर फिलहाल इस चुनाव पर टिकी हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पिछले आठ वर्षों में ताइपे पर चीन के हमले की धमकियों ने ताइवान की चिंता बढ़ा दी है। राष्ट्रपति चुनाव में 40 से 49 उम्र के बीच करीब तीन लाख 88 हजार मतदाता वोट देंगे। वहीं 50-59 उम्र के बीच करीब तीन लाख 53 हजार लोग वोट डालने के लिए तैयार हैं। इस बार 20 से 29 उम्र के बीच करीब दो लाख 84 हजार मतदाता अपना वोट डालेंगे।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए तीन मुख्य उम्मीदवार

ताइवान की जनता देश की पहली महिला राष्ट्रपति साई-इंग-वेन के उत्तराधिकारी का चयन करेंगे। बता दें कि साई-इंग-वेन 2016 और 2020 का चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बनी थी। इस बार चुनाव में तीन मुख्य उम्मीदवार- डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) से लाई चिंग-ते, कुमिनटंग (केएमटी) से हू यू इह और ताइवान पीपुल्स पार्टी (टीपीपी) से को वेन जे हैं। चौथे उम्मीदवार के तौर पर एपल के प्रमुख सप्लायर फॉक्सकॉन के संस्थापक अरबपति टेरी गोउ ने पंजीकरण करने की समय सीमा से कुछ ही घंटों पहले अपना नाम वापस ले लिया था।

बता दें कि सबसे पहले केएमटी द्वारा ताइवान पर लगाए गए मार्शल लॉ के तहत शासन किया गया था। साल 1996 में ताइवान में पहली बार राष्ट्रपति चुनाव हुआ था। इसके बाद से दो पार्टियों केएमटी और डीपीपी के उम्मीदवारों का ही राष्ट्रपति पद पर बोलबाला रहा है। ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव चार वर्षों में एक बार होता है।

काठमांडू जा रही बस राप्ती नदी में गिरी,हादसे में 12 लोगों की मौत,मृतकों में दो भारतीय

बहराइच,13 जनवरी 2024। बहराइच जिले से सटे पड़ोसी देश नेपाल के कस्बा नेपालगंज से काठमांडू जा रही यात्री बस शुकवार रात राप्ती नदी में गिरने से हादसे का शिकार हो गई। इसमें दो भारतीय समेत 12 लोगों की मौत हो गई है। वहीं करीब 25 लोग घायल हुए है। दोनों भारतीय मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है।

नेपाल के जिला पुलिस कार्यालय डांग के डीएसपी जनक बहादुर मल्ल ने बताया कि हादसे में 12 लोगों की मौत हो गयी। घायलों का इलाज राप्ती विज्ञान संस्थान में चल रहा है। पुलिस ने बताया कि जिस बस से हादसा हुआ वह नमस्ते ट्रांसपोर्ट की थी। बस चालक सल्यान गांव निवासी लाल बहादुर को नेपाली पुलिस ने हिरासत में लेकर केस दर्ज किया है।

घायलों की पहचान काठमांडू में रहने वाली अब्या पांडेय, काठमांडू के कालीमाटी में रहने वाली मंजू शर्मा, बांके के निरंजन कोरी, नेपालगंज, बांके में रहने वाले आशुतोष गौतम, रौतहट में रहने वाले संजय कार्की, धन बहादुर पुन मगर, बांके के कोहलपुर में रहने वाले छोटी सिलौटा, बरदिया के राजीव थारू, जुमला के विशाल बोहरा, बांके के दशरथ विक, बांके के नफीज खान, डोलपा केधनकली बूढ़ा, बांके राप्ती सोनारी गापा के कुल बहादुर गोसाई, सुबास कार्की चखेवा, बांके के नेपालगंज की लीला वाली, बांके के नेपालगंज की कुसुम बासनेत, बांके बैजापुर के शंकर थारू, भारत के राहुल कुमार अहीर शामिल है। वहीं मृतकों में दस नेपाल के व दो भारत के है। दोनों भारतीय मृतकों की अभी तक पहचान नहीं हुई है। नेपाल की पुलिस उनके बारे में पता लगाने का प्रयास कर रही है।

चीन में एक बार फिर कोयले की खदान में हादसा,10 की मौत

बीजिंग,13 जनवरी 2024। चीन के हेनान प्रांत में शनिवार को कोयले की एक खदान में बड़ा हादसा हो गया। इसमें कम से कम 10 लोगों की मौत

हुई है, जबकि छह लोग गायब हैं। अधिकारियों के मुताबिक, यह दुर्घटना पिंगदिंगशान में कोयले और गैस के संपर्क में आने के बाद हुई। हादसे में पिंगदिंगशान तिआनन कोल माइनिंग कंपनी लिमिटेड के कर्मचारियों की जान गई है।

शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जब यह घटना हुई तब 425 लोग साइट पर काम कर रहे थे। इनमें से 380 को सही सलामत निकाल लिया गया। राहत-बचाव कार्य अभी भी जारी है। कोयला खदान की देख-रेख में लगे अधिकारियों को कस्टडी में ले लिया गया है।

चीन में आम हैं कोयला खदान में दुर्घटनाएं

चीन में खदान दुर्घटनाएं आम हैं, लेकिन हाल के वर्षों में इनमें मरने वालों की संख्या में कमी आई है। चीन कोयले का सबसे बड़ा निर्माता और उपयोगकर्ता है। इससे पहले 21 दिसंबर को चीन के हेईलोंगजिआंग प्रांत में कोयले की खदान में दुर्घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 13 लोग घायल हो गए।

50 प्रतिशत बिलो पर दिया सड़क मरम्मत व ग्राउंड समतलीकरण का टेंडर,चर्चा का बाजार रहा गर्म

- लोक निर्माण विभाग रामानुजगंज द्वारा आंख मूंद कर जारी किया जा रहा है काम,
- काम की क्वालिटी कैसे होगी? इससे उन्हें कोई मतलब नहीं, जिस ठेकेदार को टेंडर जारी किया गया, उसे आधे दर में करना होगा काम

- संवाददाता -
रामानुजगंज/अंबिकापुर,13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

लोक निर्माण विभाग संभाग रामानुजगंज द्वारा तातापानी महोत्सव स्थल के ग्राउंड के समतलीकरण व तातापानी मेला कैंपस में पहुंच मार्ग के मरम्मत के लिए 10 दिन पूर्व 20-20 लाख के 2 टेंडर निकाले गए। 50 प्रतिशत बिलो में टेंडर भरने वाले ठेकेदार को विभाग द्वारा काम दे दिया गया। यानि ठेकेदार उक्त दोनों कामों को 10-10 लाख में करेगा। ऐसे में सवाल यह उठता है कि काम की क्वालिटी कैसी होगी? इधर विभागीय अधिकारी का कहना है कि तातापानी महोत्सव में सप्ताहभर से भी कम समय बचा था, ऐसे में दोबारा टेंडर जारी करना संभव नहीं था। वहीं ठेकेदार को 50 प्रतिशत बिलो में टेंडर मिलना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

गौरतलब है कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा जारी किए गए टेंडर अक्सर चर्चा के विषय बने रहते हैं। ऐसा ही एक मामला पीडब्ल्यूडी रामानुजगंज डिविजन से सामने आया है।

दरअसल कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग संभाग रामानुजगंज द्वारा तातापानी महोत्सव स्थल के ग्राउंड के समतलीकरण व तातापानी मेला कैंपस में पहुंच मार्ग के मरम्मत के लिए 24 दिसंबर को क्रमश 19.95 लाख 20 लाख की निविदा जारी की गई थी।

इसके तहत 2 जनवरी को आवेदन क्रय करने तथा 4 जनवरी को निविदा ग्रहण करने की तिथि निर्धारित की गई थी। 5 जनवरी को निविदा खोली गई और 49.99 प्रतिशत बिलो में रामानुजगंज के डी क्लास ठेकेदार श्रवण गुप्ता एंड ब्रदर्स को वर्क आर्डर जारी कर दिया गया। वहीं काम खत्म होने की तिथि 14 जनवरी से पूर्व निर्धारित है।

कैसी होगी काम की क्वालिटी ?

विभाग द्वारा 50 प्रतिशत बिलो में काम जारी करना अपने आप में लापरवाही भरा है। यानि ठेकेदार उक्त दोनों कामों को आधे दर पर करेगा। ऐसे में काम की क्वालिटी कैसी होगी, यह भी समझ से परे है। जबकि ठेकेदार को बिलो दर में टेंडर के अलावा करीब 17 प्रतिशत अन्य खर्चे भी करने पड़ते हैं।

चर्चा का बाजार गर्म

पीडब्ल्यूडी रामानुजगंज डिविजन द्वारा 50 प्रतिशत बिलो में ठेकेदार को काम देने को लेकर चर्चा का बाजार गर्म है। कई लोग इसे अधिकारी व ठेकेदार की मिलीभगत बता रहे हैं। गौरतलब है कि उक्त दोनों टेंडर श्रवण गुप्ता एंड ब्रदर्स के अलावा अन्य 17 ठेकेदारों ने भी भरा था।

दुकान में रखकर बेच रहा था एमपी का अवैध शराब,पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम अचड़ी में एक दुकान में छापेमारी कर संभागीय उड़दस्ता टीम ने 27 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब जब्तकर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी एमपी का अवैध शराब बेचने के लिए दुकान में रखा था। टीम ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग के संभागीय उड़दस्ता टीम को मुखबिर से सूचना मिली की दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम अड़ची स्थित एक किराना दुकान से अवैध अंग्रेजी शराब बिक्री की जा रही है।

मुखबिर की सूचना पर टीम शनिवार को घेराबंदी कर दुकान की तलाशी ली तो तीन पेटी मध्य प्रदेश राज्य की गोवा व्हिस्की 150 नग मात्र 27 लीटर पाया गया। जिसे जब्त कर आरोपी अड़ची निवासी भानु राजवाड़े को गिरफ्तार किया गया। उडनदस्ता टीम ने आरोपी के खिलाफ 34(1) 34(2)36 एवं 59 (क) के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। उक्त कार्रवाई डनदस्ता की टीम सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता के नेतृत्व में की गई। इस दौरान मुख्य आरक्षक रमेश दुबे, आरक्षक रामाधार कुशवाहा, अशोक सोनी, नगर सैनिक गणेश पांडेय, रणविजय सिंह, महिला सैनिक राजकुमारी, ममता तथा आबकारी स्टाफ उसल खुंटे, नीरज चौहान शामिल रहे।

शीतलहर की चपेट में पूरा सरगुजा संभाग

बलरामपुर का पारा 4.9 व अंबिकापुर 5.4 डिग्री

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता खत्म होते ही सरगुजा संभाग में कड़ाके की ठंड फिर से शुरू हो गई है। पिछले कुछ दिनों से उत्तर भारत में सक्रय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय था। इस कारण आसमान में बादल छाए थे और कोहरा की स्थिति बनी हुई थी। आसमान में बादल व कोहरे के कारण तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही थी। गुरुवार को आसमान से बादल साफ होते ही उतरी शुष्क हवाओं का आने का क्रम फिर से शुरू हो गया है। शनिवार को बलरामपुर का 4.9 डिग्री, अंबिकापुर का 5.4, कोरिया जिले का 6.3 व जशपुर जिले का 6.8 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है।

उत्तर भारत में सक्रय पश्चिमी विक्षोभ के कारण पिछले दस दिनों से तामान में वृद्धि दर्ज की जा रही थी। आसमान में बादल छाए हुए थे। व कोहरे का प्रभाव भी देखा जा रहा था। इस लिए ठंड से लोगों को राहत थी। आसमान से बादल की सक्रियता हटते ही एक बार फिर ठंड पडनी शुरू हो गई है। उत्तरी शुष्क हवाओं के प्रवेश का क्रम उत्तरी छत्तीसगढ़ में जारी है। मौसम साफ होते ही शुक्रवार का न्यूनतम 12.6 डिग्री से गिरकर 7 डिग्री पर पहुंच गया है। वहीं शनिवार को बलरामपुर का 4.9 डिग्री, अंबिकापुर का 5.4, कोरिया जिले का 6.3 व जशपुर जिले का 6.8 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया है। दिन में तेज धूप निकलने के कारण लोगों को राहत है। पर शाम होते ही लोग ठिठुरने पर मजबूर हो रहे हैं। उतरी शुष्क हवाओं के कारण तामान में अभी और गिरावट आएगी। वहीं उत्तरी छत्तीसगढ़ में शितलहर की संभावना बनी हुई है।

पहाड़ी कोरवा बसाहटो में लोगों को दे रहे योजनाओं की जानकारी

- शिविर लगाकर किया जा रहा योजनाओं का सैचुरेशन
- 3 हजार से ज्यादा लोगों के नए आधार बनाने और अपग्रेडेशन का हुआ काम
- लगभग 2900 हितग्राहियों को जोड़ा बीमा योजनाओं से

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

पीएम जनमन योजना के तहत शिविर और विशेष पिछड़ी जनजाति के हितग्राहियों को पीएम जनमन योजना अंतर्गत शत प्रतिशत लाभान्वित करने संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। 15 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं विभिन्न जिलों से हितग्राहियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद करेंगे।

इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान योजना (पीएम जनमन) के सफल क्रियान्वयन के लिए पहाड़ी कोरवा समुदाय के सक्रिय लोगों को जनमन मित्र और सखी बनाया गया है। कलेक्टर श्री विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में बनाए गए जनमन मित्र अपने समुदाय के लोगों को योजना के प्रति जागरूक करेंगे और उन्हें योजनाओं से जोड़ने प्रशासन का सहयोग करेंगे। इनके माध्यम से पहाड़ी कोरवा समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रमुख कार्य किया जाएगा। पहाड़ी कोरवा लोगों को जागरूक करने के लिए समस्त विकासखंडों में नियत 174 बसाहटों के लिए जनमन मित्र और सखी बनाए गए हैं।

शिविर लगाकर किया जा रहा योजनाओं का सैचुरेशन

जिले के 174 बसाहटों में शिविर लगाकर योजनाओं का सैचुरेशन किया जा रहा है जिससे कोई भी व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे। इसी क्रम में अब तक 1758 लोगों के नए आधार कार्ड बनाए गए हैं और 1265 आधार अपग्रेड किए गए हैं। प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत 1165 हितग्राहियों के बैंक खाते खोले गए हैं और उन्हें बचत खाते की जानकारी भी दी गई है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 1361 हितग्राहियों और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत 1562 हितग्राहियों को बीमा योजनाओं के लाभ से जोड़ा गया है।

शिविर में आयुष्मान कार्ड, पोषण और मातृ वंदना योजना, स्वास्थ्य संबंधी जांच, केसीसी, पीएम किसान सम्मान निधि योजना, वन अधिकार पट्टा, पीएम उज्जवला योजना सहित अन्य प्राथमिकता वाले कार्यों में प्राथमिकता से हितग्राहियों का पंजीयन किया गया है। पीव्हीटीजी बसाहटो में मूलभूत कार्यों आवास,बिजली,पानी,सड़क, शिक्षा, स्वास्थय, आजीविका आदि की शत प्रतिशत सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में टीकाकरण, सुरक्षित प्रसव, आयुष्मान कार्ड से निःशुल्क ईलाज, स्वच्छ पेयजल, आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों एवं गर्भवती तथा शिशुवती महिलाओं को मिल रही सुविधाओं, आजीविका के साधन, वन अधिकार पट्टा, राशन जैसी सुविधाओं का भी लाभ पहुंचाया जाएगा। जिससे वे समाज की मुख्य धारा से जुड़ पाए।

पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में मतदाता जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सरगुजा विलास भोस्कर के मार्गदर्शन में शनिवार को राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में सरगुजा जिले के समस्त महाविद्यालय के प्राचार्य नोडल प्राध्यापकों सहित केंपस एम्बेसडर व संस्था की टेक्निकल स्टाफ हेतु मतदाता जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सरगुजा जिले के समस्त हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य व एक-एक टेक्निकल स्टाफ व नवीन मतदाता भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला में उपस्थित उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री टेकचंद अग्रवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के पूर्व सभी महाविद्यालय के प्राचार्य एवं नोडल प्राध्यापक अपने विद्यालय के शत प्रतिशत युवाओं का नाम मतदाता सूची में जुड़वाने हेतु आवश्यक पहल करें। उन्होंने सभी को शत प्रतिशत मतदान हेतु शपथ भी दिलाया। स्वीप प्लान कमेटी के सहायक नोडल अधिकारी श्री गिरीश गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 सरगुजा जिले के समस्त मतदान केंद्रों में वर्तमान में क्रियान्वित किया जा रहा है जिसके तहत 17 वर्ष से अधिक उम्र के युवा अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए अग्रिम पंजीयन अपने मतदान केंद्र के बीएलओ के माध्यम से कर सकते है। इसके साथ ही, जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, वह भी अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा कर 22 जनवरी के पूर्व आवेदन कर सकते हैं। आगामी फरवरी माह के प्रथम सप्ताह में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा, जिनका नाम दावा आपत्ति उपरांत अंतिम रूप से मतदाता सूची में जुड़ेगा, वे सभी आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 में अपने मत का प्रयोग कर सकते हैं। जिला स्तरीय कार्यशाला में श्री अभिषेक मिश्रा के द्वारा पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से उपस्थित टेक्निकल स्टाफ को मतदाता सूची में नाम जोड़ने विलोपन करने एवं नाम में संशोधन करने की प्रक्रिया ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से बताया गया।

आईजी सरगुजा के स्थानांतरण आदेश को अप्रभावी करने के लिए

कब तक चिकित्सा अवकाश में रहेंगे एमसीबी जिले के पुलिसकर्मी ?

एमसीबी से बलरामपुर स्थानांतरण किए गए दो प्रधान आरक्षक व आरक्षक कब तक मेडिकल लगाकर जान से बचते रहेंगे?

प्रधान आरक्षक सहित आरक्षक एमसीबी जिले से रवानगी लेने के बावजूद नहीं पहुंच रहे आमद देने बलरामपुर जिला

दो हफ्तों से ज्यादा समय से हैं चिकित्सा अवकाश पर,क्या एकसाथ तीन पुलिसकर्मी पड़ गए बीमार या है कुछ और बात...

आखिर दो प्रधान आरक्षक व आरक्षक किस मंत्री के पैरवी करने के लिए मेडिकल लगाकर जाने से बच रहे?

-रवि सिंह-
एमसीबी 13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

एमसीबी जिले से स्थानांतरित किए गए तीन पुलिसकर्मी आज तक अपनी नवीन पदस्थली पर नहीं पहुंच सके हैं, उन्होंने एमसीबी जिले से तो रवानगी ले ली है लेकिन वह अपनी आमद देने नवीन पदस्थापना जिले में नहीं पहुंचे हैं चिकित्सा अवकाश लेकर वह अपने स्थानांतरण आदेश में संशोधन चाहते हैं ऐसा बताया जा रहा है। जैसा की पहले भी खबरों के माध्यम से इस विषय पर अवगत कराया गया था की एमसीबी जिले के कुछ चर्चित प्रधान आरक्षक और आरक्षक का आईजी सरगुजा ने निरीक्षण उपरांत वापस लौटते ही स्थानांतरण कर दिया था और यह स्थानांतरण मिली शिकायतों के आधार पर किया गया था जिसके अनुसार उनकी कोई त्रुटि पाई गई थी या जिनकी कार्यशैली को लेकर कोई बात समाने आई थी, आईजी सरगुजा ने पूरे सरगुजा रेंज में ऐसे तबादले किए थे और जिसमे कई जिलों के पुलिसकर्मी शामिल थे जिन्हे एक जिले से दूसरे जिले में संभाग स्तर पर भेजा गया था जिससे बेहतर पुलिसिंग हो सके। अधिकांश पुलिसकर्मियों ने तो आईजी के आदेश का पालन करते हुए नवीन पदस्थापना स्थल पर जाकर अपनी रवानगी तत्काल दे दी थी वहीं एमसीबी जिले के तीन पुलिसकर्मी आज तक रवानगी देने नहीं पहुंचे जिन्हे बलरामपुर जिले के लिए स्थानांतरित किया गया है।

एमसीबी जिले के तीनो पुलिसकर्मी अपने स्थानांतरण आदेश में संशोधन के जुगाड़ में

एमसीबी जिले के तीनो पुलिसकर्मी अपने स्थानांतरण आदेश में संशोधन के जुगाड में लगे हुए हैं वहीं वह अपनी पहली पदस्थापना से हटना नहीं चाहते इसलिए उन्होंने चिकित्सा अवकाश लेकर फिलहाल अपना प्रयास जारी रखा हुआ है जिसमे उनका तबादला रुकवाने का जिम्मा एक उप निरीक्षक के जिम्मे है जो अब पुलिसकर्मियों को उनकी पसंद की जगह लाने ले जाने लगातार नेताओं मंत्रियो के संपर्क में हैं और तबादला निरस्त कराकर वह आईजी सरगुजा को भी यह जतलाना चाहते हैं की उनका संपर्क और उनकी पकड़ ऊंची है और वह जैसा चाहेंगे वही अब संभाग स्तर पर होगा पुलिस विभाग में अन्य अधिकारियों को वह अपने हिसाब से चलने नहीं देंगे यह उनकी तरफ से स्पष्ट है। वैसे जिले के जिन तीन पुलिसकर्मियों ने बलरामपुर जिले में आमद देने की बजाए चिकित्सा अवकाश लिया हुआ है जिससे उन्हे अपनी पहूंच पकड़ और उप निरीक्षक की ऊंची पहुंच पकड़ का लाभ मिल सके तबादला आदेश निरस्त हो सके वह तीनो एकसाथ बीमार होने का आवेदन दिए हैं जो जांच का विषय है क्योंकि एकसाथ उन्हीं तीन पुलिसकर्मियों का स्वास्थ्य खराब हुआ है जिनका तबादला एमसीबी जिले से बलरामपुर जिला किया गया है। यह तीन पुलिसकर्मी वैसे कोरिया जिले के विभाजन से पूर्व संयुक्त कोरिया जिले के उन्हीं क्षेत्रों में लगातार पदस्थ थे जहां जिला विभाजन के बाद भी आज भी यह पदस्थ थे वहीं सभी का गृह निवास भी आसपास था जिसकी वजह से इनकी मनमानियां भी ज्यादा थीं आम लोग इनसे परेशान ही थे।

तीनों पुलिसकर्मी पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान ही काफी चर्चित रहे

जब इन्हे बलरामपुर जिले के लिए स्थानांतरित किया गया है यह भारी छटपटाहट में हैं और यह किसी भी हाल में वहां जाने से बचना चाहते हैं जिससे उन्हे फिर से अपने पुराने कार्यस्थल पर ही काम करने का मौका मिल जाए और वह फिर अपनी मनमानी करते हुए लोगों को परेशान करते रहें। यह तीनों पिछ्ली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान ही काफी चर्चित हुए थे वहीं इनके चर्चित होने के पीछे की वजह पूर्व की कांग्रेस सरकार के नेताओं से इनकी अच्छी सांठगांठ और पहचान जिसका लाभ लेकर यह मनचाही जगह पर काम करते चले आ रहे थे। पूरे पांच साल के कांग्रेस शासनकाल में यह इस कदर चर्चित बने रहे की यह अपनी मनमानी में कभी लगाम लगाते ऐसा कोई प्रयास किसी ने नहीं किया वहीं जैसे ही इनका तबादला हुआ यह इसलिए परेशान नजर आए क्योंकि नई जगह इन्हे वह स्वतंत्रता नहीं मिल पाएगी जो स्थानीय होने के नाते यह यहां पा रहे थे। वैसे अब सत्ता परिवर्तन के बाद भी इनका जुगाड बनाया जा रहा है एक उप निरीक्षक लगातार मंत्री सहित नेताओं के संपर्क में हैं जिससे इनकी वापसी इनके गृह जिले में हो सके जिसके लिए बकायदा सौदा हुआ है जो सूत्रों का कहना है और जिसके आधार पर ही इन्हे अपना तबादला आदेश निरस्त कराना है।

कार्यालय पुलिस महानिरीक्षक
सरगुजा रेंज, सरगुजा, अंबिकापुर (छत्तीसगढ़)
-:: आदेश ::-

निम्नलिखित कर्मचारियों को प्रशासनिक दृष्टिकोण से स्थानांतरित कर अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त उनके नाम के सम्मुख कॉलम नंबर 05 में दर्शित नवीन पदस्थापना इकाई में स्थानांतरित कर पदस्थ किया जाता है :-

क्र.	पदनाम/बैच नं.	नाम अधिकारी/कर्मचारी	वर्तमान इकाई	नवीन पदस्थापना इकाई
1	2	3	4	5
1.	स.उ.नि.	अजय प्रसाद बघेल	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
2.	प्र.आर. 78	अमित जैन	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
3.	प्र.आर. 55	संदीप बागिस	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
4.	आर. 135	चन्द्रसेन राजपूत	एम.सी.बी.	बलरामपुर-रामानुजगंज
5.	आर. 500	प्रवीन्द्र सिंह	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज
6.	आर. 799	शहबाज अंसारी	सरगुजा	एम.सी.बी.
7.	आर. 462	अमृत सिंह	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज
8.	आर. 653	कुंदन सिंह	सरगुजा	एम.सी.बी.
9.	आर. 181	जयदीप सिंह	सरगुजा	बलरामपुर-रामानुजगंज

संबंधित पुलिस अधीक्षक उपरोक्तानुसार स्थानांतरित कर्मचारियों को अविलंब स्थानांतरित इकाई हेतु कार्यमुक्त करना सुनिश्चित करें ।

पुलिस महानिरीक्षक

क्या एक उप निरीक्षक सुर्खियों में बने रहने वाले पुलिसकर्मियों के बन चुके हैं मसीहा...

स्थानांतरित पुलिसकर्मियों को मनचाही पदस्थापना दिलाने का उठा चुके जिम्मा? कई सुर्खियों में रहने वाले पुलिसकर्मियों का विभाग तबादला करता चला गया और वह अलग अलग जगह भेजे जाते गए। एक जगह वर्षों मनमानी करने के बाद विभाग ने ऐसे पुलिसकर्मियों को इसलिए अन्य जगह स्थानांतरित किया जिससे पुलिस पर से लोगों का विश्वास कम न हो विश्वास कायम बना रह सके। इसी तारतम्य में एमसीबी जिले कई पुलिसकर्मियों का समय समय पर तबादला किया गया जिसमे कुछ निरीक्षक से लेकर आरक्षक तक स्थानांतरित किए गए। हालिया जारी तबादला सूची में तीन पुलिसकर्मियों का तबादला आईजी सरगुजा ने किया जो फिलहाल चिकित्सा अवकाश लेकर तबादला आदेश निरस्त कराने में लगे हुए हैं और जिसका जिम्मा एक उप निरीक्षक ने ले रखा है जो मंत्रियो नेताओं से संपर्क कर तबादला रुकवाने में लगे हुए हैं, पुलिसकर्मियों के लिए फिलहाल मसीहा हैं वहीं अब यह भी बताया जा रहा है की उक्त उप निरीक्षक ने कई अन्य पुलिसकर्मियों के भी तबादले को निरस्त कराने या अन्य अच्छी जगह पदस्थ कराने का जिम्मा ले लिया है। सूत्रों का माने तो उप निरीक्षक ने एक ऐसे ही निरीक्षक के भी तबादले का जिम्मा अच्छी जगह कराने का लिया है जो फिलहाल बीजापुर में पदस्थ हैं और पहले एमसीबी में पदस्थ थे। उप निरीक्षक ने बताया जाता है की निरीक्षक को आश्वस्त कर दिया है यह तक एक मंत्री से मुलाकात भी कराया है की वह जल्द ही बीजापुर की जगह मैदानी क्षेत्र में नजर आएंगे और इसके लिए उनका प्रयास जारी है। अब देखना है की क्या सचमुच एक उप निरीक्षक अब मंत्री नेताओं से मिलकर पुलिस विभाग में अपनी धौंस जमाएगें या उनका प्रयास प्रयास ही रह जायेगा?

तीनों पुलिसकर्मियों का चिकित्सा अवकाश सवाल के घेरे में

आईजी सरगुजा के आदेश के बाद इनकी एमसीबी जिले से रवानगी हुए आज दो हफ्ते के लगभग का समय बीत गया यह अभी भी चिकित्सा अवकाश लेकर नवीन पदस्थली जाने से बचते नजर आ रहे हैं और उम्मीद लगाकर बैठे हैं की जिस उप निरीक्षक ने इनका तबादला रुकवाने का जिम्मा लिया है वह जरूर तबादला रुकवा पाएगे और यह अपने गृह क्षेत्र में ही फिर मनमानी कर पाएंगे। तीनों पुलिसकर्मियों के चिकित्सा अवकाश को लेकर अब यह भी सवाल उठ रहा है की क्या जब इनका तबादला हुआ तभी इनकी तबियत खराब हुई और एकसाथ खराब हुई क्या इन्होंने चिकित्सा अवकाश केवल इसलिए लिया हुआ है की वह अनुचित तरीके से अवकाश लेकर तबादला आदेश निरस्त होने तक नौकरी में बने रहें। वैसे इन्हे चिकित्सा प्रमाण पत्र जिसमे इनकी अस्वस्थता का उल्लेख है की भी जांच होनी चाहिए वहीं इनका स्वास्थ्य परीक्षण विभागीय रूप से कराकर इनकी फिटनेश देखनी चाहिए की क्या यह सचमुच बीमार हैं या यह केवल तबादला आदेश निरस्त होने तक ही चाहकर बीमार हैं। वैसे यदि इसी तरह चिकित्सा अवकाश का सहारा लेकर हर वह कर्मचारी जिसका तबादला कहीं नियम अनुसार किया गया है वह बैठे रहे तो समझा जा सकता है की विभागीय आदेशों को लेकर कर्मचारी कितना गंभीर है। वैसे पुलिस विभाग में कम से कम अनुशासन के हिसाब से ऐसे कर्मचारियों पर लगाम लगाने की जरूरत है क्योंकि ऐसे ही कर्मचारियों की वजह से विभाग का अनुशासन भंग होता है और आगे ऐसी पुनरावृत्ति भी देखने को मिलती है।

डॉ. रामचंद्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र कोरिया में मनाया गया राष्ट्रीय युवा दिवस

स्वामी विवेकानंद ने सही कहा था...मैं जो दे गया वह डेढ़ हजार वर्ष की खुराक है: रूप

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,13 जनवरी 2024
(घटती-घटना)।

युगपुरुष विश्व बंधुत्व वसुदेव कुटुंबकम के सूत्र वाहक महान दार्शनिक विभूति स्वामी विवेकानंद के जन्म जयंती पर शहर के खरवत गेज डेम परिसर स्थित स्व0 डॉ रामचंद्र सिंहदेव कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में राष्ट्रीय सेवा योजना अंतर्गत बीते 12 जनवरी 2024 को राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सर्वप्रथम युवाओं के प्रेरणा स्रोत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर मुख्य अतिथि एस0के0 'रूप'द्वारा दीप प्रज्वलन एवम माल्यार्पण किया गया। उक्त कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता डॉ डी0के0 गुप्ता ने की। पश्चात कार्यक्रम की रूपरेखा पर सारगर्भित प्रकाश डाला डॉ संजय कुमार धृतलहरे ने। अधिष्ठाता के द्वारा युवा दिवस पर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा गया कि स्वामी जी के मार्ग का अनुसरण करते हुए विद्यार्थी अपना भविष्य उज्जवल करें। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यों और महाविद्यालय कार्यों पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वर्ल्ड रिकॉर्ड धारी साहित्यकार कवि, एक दैनिक खबर के सूरजपुर संस्करण संपादक एस. के.'रूप' ने युवाओं को संबोधित करते हुए स्वामी विवेकानंद के उपदेशों और ग्राह्य नीतियों को स्पष्ट करते हुए जीवन संघर्ष आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि 'स्वामी विवेकानंद जी का संपूर्ण जीवन एक ऐसा महा अध्याय है जिसका एक पन्ना भी युवा अपने हृदय में उतार ले तो वह सफल ही नहीं अपितु बदलावकारी भी होगा और अपने प्रभाव द्वारा जग वंदनीय होकर जीवमात्र पर दया नही, शिवज्ञान से जीव सेवा के स्वामी जी के ही मूल मंत्र को सफल करेगा।उन्होंने स्वामी जी के जन्म के प्रभाव, युवावस्था की घटनाएं, पढ़ाई पिता का अवसान, स्वामी रामकृष्ण से मिलन, ईश्वरीय अनुभूति, खेतड़ी नरेश से विवेकानंद का नाम मिलना और सनातन वैदिक धर्म के प्रतिनिधि के रूप में विश्व सर्व धर्म सम्मेलन शिकागो अमेरिका में 11 सितंबर 1893 को विभिन्न देश के बड़े-बड़े धर्म गुरुओं के सामने भारत देश को विश्व गुरु बनने तक के सफर के साथ, प्रकाशीय वक्ता तूफानी हिंदू सन्यासी का नाम, विदेश की जमीन पर स्वामी विवेकानंद के बैनर पोस्टर फ्लेक्सी छपना, वहां के समाचार पत्रों ने स्वामी विवेकानंद को स्पष्ट रूप से यह कह दिया था कि हम नहीं जानते थे कि भारत देश में स्वामी विवेकानंद सरीखे लोग भी हैं इसके साथ ही सन 1893 से 1897 तक विदेश में उनका आदर सत्कार प्रवचन भाषण उद्बोधन का सतत चलना, इसी तरह प्राचीन भारतीय वैदिक संस्कृति धर्म को लेकर जाने वाले स्वामी जी कैसे नव विश्व गुरु भारत तक आ गए इस पर मुख्य अतिथि ने विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए युवाओं को प्रेरित किया। श्री रूप ने कहा कि 'स्वामी विवेकानंद ने स्वयं कहा था कि मैं जो दे गया वह डेढ़ हजार वर्ष की खुराक है, यह संभव है लेकिन उस खुराक को समझ पाने में ही एक सबल,और सफल राष्ट्र का निर्माण संभव है उन्होंने कहा कि मात्र 39 वर्ष की आयु में स्वामी विवेकानंद ने महा समाधि ले ली किंतु युवाओं को ब्रह्मचर्य वीर्यओजवान, बलशाली स्नायु फौलादी,दुर्बलता को दूर कर अनंत साहस, अनंत धैर्य,अनंत शक्ति व अनंत आत्मविश्वास से उत्तिष्ठत जाग्रत प्राप्य वरान्निबोधत कठोपनिषद के सूत्र वाक्य को दिया ।श्री रूप ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी जी के अनुसार अगर आप समय से आगे चलने को प्रतिबद्ध होते हैं तो उपहास विरोध और स्वीकृति के दौर से गुजरना पड़ता ही है। कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. संजय कुमार घृतलहरे, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र कोरिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, इंजी. कमलेश कुमार के साथ-साथ महाविद्यालय के प्राध्यापकगण डॉ. राहुल आर्य, डॉ. एन. के. मिश्रा, पुनेश्वर सिंह पैकरा, डॉ.संदीप नवरंग, डॉ. जान्हवी, अंकुर गुप्ता, ममता साहू सहित कौशल कुमार (प्रयोगशाला परिचारक), पी. के. ध्रुव (सहा. वर्ग- 1) विजय प्रकाश सलीब कुजूर, पूनम सिंह, प्रभात गुप्ता, उर्मिला, राजेश्वरी, के.के.साहू, सुदामा, विष्णु, सूरज एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्रायें आदि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सेवा योजना, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राहुल आर्य द्वारा राष्ट्र निर्माण में युवा की महत्ता पर प्रकाश डाला गया।

500 रूपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया

कार्यक्रम में युवाओं ने मुख्य अतिथि से संवाद भी किया। श्री रूप ने छात्र-छात्राओं से कुछ प्रश्न किया जिसका सही और शब्दसः सही जवाब देने के कारण बीएससी प्रथम वर्ष के छात्र दिनेश कुमार तिर्की को मंच पर बुलाकर सराहना करते हुए 500 रु0का नगद पुरस्कार प्रदान किया जिससे छात्र प्रसन्न हुआ और अन्य को प्रेरणा भी मिली।

---

57 लाख का 2591 क्विंटल अवैध धान जब्त

सात राइस मिल व ट्रेडर्स गोदाम में संयुक्त टीम की छापामारी

कहा से कितना जब्त हुआ धान की मात्रा

- अमन फ्लोर पर्री- 453 क्विंटल
- सक्षम फूड -428 क्विंटल
- गोयल इंडस्ट्रीज-378 क्विंटल
- महामाया राइस इंडस्ट्रीज-442 क्विंटल
- मित्तल राइस प्रोडक्ट- 375 क्विंटल
- राम अनुग्रह उपाध्याय ट्रेडिंग- 312 क्विंटल
- सौम्या ट्रेडर्स- 203 क्विंटल

-संवाददाता-
सूरजपुर,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

राइस मिल वह उनका गोदाम अवैध धन का अड्डा माना जाता था पर प्रशासन इस और बहुत कम ही ध्यान दे पाती थी, सत्ता बदलते ही पहली बार प्रशासन ने सूरजपुर जिले के सात राइस मिल में एक साथ छापा मार कर अब तक की सब से बड़ी कार्यवाही की है, जिस कार्यवाही में 7 राइस मील व ट्रेडर्स गोदाम से 57 लाख का 2591 अवैध धन जप्त किया गया, इस कार्यवाही से राइस मिलर भी सकते में आ गए और अब उन्हें भी इस बात का अंदाज रहेगा कि प्रशासन कभी भी बड़ी कार्यवाही कर सकता है जिस वजह से अवैध धन का मामला जिले में काम हो जाएगा। ज्ञात होकी संयुक्त प्रशासनिक अमले ने बीती शाम सूरजपुर जिले में राइस मिलों एवं ट्रेडिंग सेंटरों के गोदामों में छापा मारकर 2591 क्विंटल अवैध धान जब्त किया है। खाद्य, मंडी, सहकारिता एवं प्रशासनिक टीम की छापेमारी देर रात तक जारी रही। जब्त धान की कीमत 57 लाख रुपये बताई गई है। सहकारी समितियों में समर्थन मूल्य पर हो रही धान खरीदी में उक्त धान खपाए जाने की आशंका पर यह कार्रवाई की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को खाद्य, मंडी और सहकारिता विभाग की संयुक्त टीम ने सूरजपुर के अमन फ्लोर मिल पर्री, सक्षम फूड, गोयल इंडस्ट्रीज, महमाया राइस मिल, मित्तल राइस मिल, मित्तल राइस प्रोडक्ट, सौम्या ट्रेडर्स व थोक अनाज विक्रेता अनुग्रह उपाध्याय में छापा मारा। राइस मिलर्स एवं ट्रेडर्स के गोदामों से कुल 2591 क्विंटल धान की जब्ती की गई है, जिसकी क़ीमत 56 लाख 56 हज़ार रूपये बताई गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई से धान की अवैध खरीदी बिक्री करने वाले कोचियां व बिचौलियों में हड़कंप मचा हुआ है।

सूरजपुर कलेक्टर के निर्देश पर हुई कार्यवाही

जिला खाद्य अधिकारी विजय किरण ने बताया कि सूरजपुर कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देश पर यह छापेमारी की गई है। राइस मिलर्स एवं ट्रेडिंग कंपनियों के संचालक धान के स्टॉक का कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। उक्त धान समर्थन मूल्य पर खपाए जाने की आशंका को देखते हुए मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए धान को जब्त किया गया है।

कार्यवाही में ये थे शामिल

संयुक्त टीम की कार्रवाई रात तक चलती रही। राइस मिल एवं ट्रेडिंग कंपनियों में धान के स्टॉक का वेरिफिकेशन किया गया एवं अवैध धान को जब्त किया गया। धान स्थानीय किसानों से भी खरीदा गया है। बाहर से भी धान मंगाए जाने की आशंका है। कार्रवाई में खाद्य अधिकारी विजय किरण के साथ सहायक खाद्य अधिकारी संदीप भगत, खाद्य निरीक्षक नीतीश कुमार, उप पंजीयक जीएस शर्मा, सहकारिता निरीक्षक अभिषेक सोनी, मंडी सचिव रामधनी भगत व दीपक कुमार आदि शामिल थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज करेंगे तातापानी महोत्सव का शुभारंभ

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत 400 जोड़ों को देंगे आशीर्वाद

-संवाददाता-
बलरामपुर,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।
तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय तातापानी महोत्सव में सम्पन्न होने वाले मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजनान्तर्गत 400 जोडों के विवाह समारोह में सम्मिलित होंगे तथा नव दंपतियों को आशीर्वाद भी देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास व कृषि मंत्री श्री रामविचार

नेताम करेंगे।

गौरतलब है कि धार्मिक मान्यताओं व भूमिगत गर्म जल स्त्रोत के नाम से प्रसिद्ध तातापानी में प्रत्येक वर्ष की भांति मकर संक्रांति पर्व पर वृहद मेला लगता है, जहां जिले के पड़ोसी राज्यों झारखण्ड, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश से श्रद्धालु पहुंचते हैं, और यही वजह है कि तातापानी को पर्यटन के मानचित्र में पहचान दिलाने जिला प्रशासन के द्वारा तीन दिवसीय तातापानी महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष तातापानी महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विभिन्न शासकीय योजनाओं पर आधारित विकास कार्यों की स्टॉल के माध्यम से लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। महोत्सव के प्रथम दिवस 14 जनवरी को स्कूल शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल, महिला बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, प्रतापपुर विधायक शकुन्तला पोर्ते, जिला पंचायत की अध्यक्ष सुश्री निशा नेताम, जनपद अध्यक्ष बलरामपुर विनय पैकरा, जनपद अध्यक्ष रामचन्द्रपुर शारदा देवी सिंह एवं तातापानी की सरपंच प्रतिमा मिंज उपस्थित रहेंगे।

तातापानी महोत्सव में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंधित

सिंगल यूज प्लास्टिक का नहीं किया जाएगा उपयोग

प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गर्म जल स्त्रोत तातापानी में मकर संक्रांति महापर्व का विशाल आयोजन किया जा रहा है। आयोजन में परिसर को स्वच्छ रखने हेतु कलेक्टर रिमिजियुस एक्का के मार्गदर्शन में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की ओर से सभी मेला व्यवसायियों से यह आग्रह किया जा रहा है,कि दुकानों पर सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग प्रतिबंध रखें तथा ग्राहकों को प्लास्टिक की थैलियां में समान विक्रय न करने को कहा है। साथ ही आम जनमानस से यह विनम्र अपील भी की गई है कि दर्शनीय स्थल तातापानी को स्वच्छ एवं प्राकृतिक रूप से सुंदर बनाए रखने के लिए मेला परिसर कार्यक्रम स्थल में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। खाने-पीने वाली दुकानों पर अनिवार्य रूप से डस्टबिन की उपलब्धता सुनिश्चित करे। दोना-पत्तल को इधर-उधर न फेंके इसके लिए न स्वयं गंदगी करें और न करने दे की अपील की जा रही है। जागरूकता हेतु मेला प्रांगण में सिंगल यूज प्लास्टिक प्रतिबंध हेतु अपील भी लिखवाई गई हैं जिससे आयोजित मेले में आने वाले समस्त दर्शनार्थ जागरूक होंगे कार्यक्रम स्थल को स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन हेतु प्रबंधन इकाई का भी प्रावधान है, जिसके माध्यम से जिले की विभिन्न ग्राम पंचायत से निकलने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक को स्वच्छ ग्राहियों के माध्यम से एकत्रित करके इस प्रबंधन इकाई तक लाया जाएगा। प्रबंधन इकाई में प्लास्टिक का उचित प्रबंधन कर रिसोर्स के रूप में उपयोग किया जाएगा जिससे प्राकृतिक रूप से स्वच्छ परिवेश निर्मित होगा गंदगी का अंबार हटेगा। दूसरी ओर अतिरिक्त आय का स्रोत बनेगा। जिला समन्वयक राजेश जैन ने बताया इस बार मेले से निकलने वाले प्लास्टिक अपशिष्ट को नहीं जलाया जायेगा। बल्कि स्वच्छता ग्राहियों के माध्यम से प्रतिदिन संग्रहित कर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन इकाई में पृथक्करण कर संसाधन के रूप में अपनाया जाएगा।

पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले राखड़ लोड वाहनों पर हुई कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

राखड़ परिवहन के संबंध में कोरबा कलेक्टर द्वारा नियमानुसार कार्यवाही के कड़े निर्देश के पश्चात जिले में जाँच और कार्यवाही के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस कड़ी में परिवहन अधिकारी शशिकांत कुर्रे, एसडीएम कटघोरा रिचा सिंह द्वारा गोपालपुर जेंजरा-कटघोरा मार्ग में पर्यावरण को ताक पर रख कर राखड़ परिवहन करने वाले वाहनों की आज सघन जांच की गई। बिना तिरपाल, बिना रिफलेक्टर, अवैध डंपिंग, बिना फिटनेस के संचालित राखड़ लोड वाहनों पर चलानी कार्यवाही की गई। मौके पर ही वाहनों में सुव्यवस्थित तरीके से तिरपाल लगवाई गई तथा सड़क किनारे, खुले जमीन पर राखड डंप न करने की समझाइश दी गई। टीम द्वारा रात्रि में सड़क किनारे अवैध डंपिंग कर पर्यावरण को प्रदूषित करने वाले ऐसे वाहन चालकों पर विशेष नजर रखी जा रही है जो नियमों को ताक पर रख कर राखड़ डंप कर रहे हैं। आर.टी.ओ. उड़नदस्ता टीम द्वारा विभिन्न मार्गो पर 12 ऐसे वाहनों पर चालानी कार्यवाही से 43000/- रुपए की जुर्माना राशि वसूल की गई। अभी यह संयुक्त कार्यवाही आगे दिनों में भी जारी रहेगा।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने कहा... यूनिफॉर्म का मतलब ही अनुशासन

-संवाददाता-
कोरबा,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जिला कोरबा द्वारा शनिवार को आयोजित चार दिवसीय जिला रैली का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के मुख्य आतिथ्य में हुआ। शुक्ला ने स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स से कहा कि यूनिफॉर्म का मतलब ही अनुशासन होता है। कटघोरा स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में आयोजित जिला स्तरीय जिला रैली में पांचो विकासखण्ड से तीन सौ से अधिक स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स सम्मिलित हुए।पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला ने आगे कहा कि यूनिफार्म से एकरूपता आती है और यह हमें संगठित बनाती है। यदि हम अनुशासित नहीं हैं तो यूनिफार्म पहनने का कोई अधिकार नहीं है। सड़क सुरक्षा के संदर्भ में एसपी ने कहा कि पहले हमें स्वंय को देखना होगा कि क्या हम यातायात नियमों का पालन करते हैं। तभी दूसरों को जागरूक करने का काम करें। श्री शुक्ला ने उपस्थित स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स से कहा कि अपने अभिभावकों को बाध्य करें कि वे दो पहिया वाहन चलाने के दौरान हेलमेट धारण करें। उन्होंने कहा कि बच्चे सोसायटी के लिए एक रोल मॉडल का काम करते हैं। एसपी श्री शुक्ला ने बताया कि वे भी स्काउट रहे चुके हैं और कई शिविरों में भागीदारी की है।

सीसी रोड को ड्रिल मशीन व जेसीबी मशीन से खोदकर कर दिया गया क्षतिग्रस्त

अभी हाल ही में बने सीसी रोड कई जगह से डैमेज हो चुका है जो भविष्य में भी बनने की संभावनाएं भी नहीं है

-सोनू कश्यप-
प्रतापपुर,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।
जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रतापपुर विधानसभा क्षेत्र में पाइप लाइन डाली जा रही है, पाइप डाला जाना पूरे विधानसभा क्षेत्र के लिए मुसीबत बन गया है। सड़कें पाइप लाइन डालने के लिए उजाड़ दी गई हैं, यह कारनामा पीएचई के ठेकेदार द्वारा किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद पंचायत प्रतापपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत दरहोरा में पीएचई विभाग द्वारा नल जल योजना के तहत पाइपलाइन बिछाने का कार्य किया जा रहा है। जिसमें अभी हाल ही में बने सीसी रोड को ड्रिल मशीन व जेसीबी मशीन से खोदकर क्षतिग्रस्त कर दिया गया एवं पाइप लाइन बिछा दिया गया है। रोड कई जगह से

डैमेज हो चुका है जो भविष्य में भी बनने की संभावनाएं नहीं लग रही। जबकि ठेकेदार को सड़क को खोदकर पाइपलाइन बिछाने के बाद इसका मेंटेनेंस भी करना था लेकिन इस बात को दरकिनार कर ठेकेदार सड़कों को ना तो सही तरीके से गड्ढों को भरया और नहीं उसको रिपेयर किया है। जो ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनी हुई है।

ग्राम पंचायत दरहोरा में ग्रामीणों के आवागमन के लिए 4 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड का निर्माण अभी हाल ही में नवीन निर्माण कराया गया था। परन्तु पीएचई विभाग के ठेकेदार ने रोड के बीचों बीच खोदकर जीर्णशीर्ण स्थिति में कर दिया। जबकि कार्य पूर्ण हो जाने उपरांत रोड को ठेकेदार द्वारा दुरुस्त करना था लेकिन कार्य पूर्ण उपरांत ठेकेदार नौ दो ग्यारह हो गया। उखड़े पड़े सीसी रोड को आज तक दुरुस्त नहीं किया जा सका है जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर लोगों में आक्रोश है, ग्रामीणों ने कहा है कि अगर यह कार्य जल्द ही नहीं कराया जाता है तो लोग आंदोलन करने को बाध्य होंगे। जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी पीएचई विभाग की होगी। स्थानीय ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से ठेकेदार के ऊपर कार्रवाई करते हुए तत्काल सीसी रोड की मरम्मत करने की मांग की है।

कान्वेंट स्कूल प्रतापपुर में आज विज्ञान प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
प्रतापपुर,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।
मुख्य अतिथि के रूप में शिव भजन मरावी जिला पंचायत अध्यक्ष सूरजपुर एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान संकाय के शिक्षक मनीराम पटेल एवं भूगोल संकाय के शिक्षक सुजीत मौर्य ,राहुल जायसवाल, एवं विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य बी एन यादव उपस्थित थे। विज्ञान प्रतियोगिता में कक्षा पहली से लेकर आठवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया जिसके तहत कक्षा आठवीं के छात्र एवं छात्राओं द्वारा वॉटर पुरीफिकेशन एवं एसिड रेन का मॉडल बनाया। कक्षा सातवीं के छात्र-छात्राओं ने आंख के अंदरूनी हिस्से को मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया। कक्षा छठवीं के छात्र-छात्राओं के द्वारा मॉडल में कलर एवं वैक्यूम क्लीनर को प्रस्तुत किया गया। तथा कक्षा पांचवी के छात्र छात्राओं के द्वारा फायर ट्रक एवं लिफ्ट ही बना डाला। एवं कक्षा पहली से चौथी तक के छात्र-छात्राओं के द्वारा विभिन्न प्रकार के विज्ञान प्रदर्शनी पोस्ट एवं कई

तरह के मॉडल बनाकर प्रस्तुत किया तथा प्रत्येक बच्चे ने अपने प्रदर्शनी का डिस्क्रिप्शन दिया अतिथियों ने सभी मॉडल को देखा जच्चा परख एवं प्रश्न किया जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी ने अपने मॉडल के विषय में उन्हें विस्तार में समझाया अतिथियों ने मॉडल को देखकर कहा आप सभी भविष्य के वैज्ञानिक हैं भावी राष्ट्र निर्माता है आप हमारे देश को बहुत आगे लेकर जाएंगे माता-पिता एवं विद्यालय का नाम रोशन करेंगे प्रत्येक विद्यार्थी में उन्होंने एक साइंटिस्ट देखा। विद्यालय के प्राचार्य रामानंद डे ने कहा इस तरह का आयोजन करने से बच्चों के मस्तिष्क का विकास होता है एवं उनको प्रोत्साहन मिलता है इस कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपनी भूमिका अदा की।

योग ऋषि स्वामी रामदेव के षिष्य डॉ. परमार्थ देव का आगमन आज

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।
पंतजली योगपीठ हरिद्वार के से स्वामी रामदेव के निर्देशन में उनके षिष्य मुख्य केन्द्रीय प्रभारी डॉ. परमार्थ देव जी 14 जनवरी को हमारे बीच होंगे। इनके शुभागमन में देवराहा बाबा परिसर प्रेमाबाग में प्रात:06 बजे से दोपहर तक का कार्यक्रम आयोजित है।

देवराहा बाबा समिति अध्यक्ष शैलेष षिवहरे ने बताया कि प्रेमाबाग मंदिर परिसर में बाबा रामदेव के परम शिष्य मुख्य केन्द्रीय प्रभारी स्वामी डॉ. परमार्थ देव जी 14 जनवरी को रविवार को पधारेंगे। जिनके आगमन में प्रातः 6 बजे से 7.0 तक संभाग स्तरीय योग षिवर (इंटीग्रेड योग) तत्पष्चात प्रधानमंत्री के निर्देशानुसार प्रेमाबाग परिसर, मंदिर की साफ-सफाई का कार्यक्रम आयोजित है। शिवहरे ने बताते कहा कि मध्यान्ह 11 बजे से विशिष्टजनों से चर्चा स्वामी परमार्थ देव जी द्वारा उद्बोधन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन होगा दोपहर 2 बजे से देवराहा बाबा परिसर में भोजन प्रसाद पष्चात् स्वामी जी का विदाई कार्यक्रम होगा। देवराहा बाबा सेवा समिति ने अपील करते हुये कहा कि इंटीग्रेड जानने के लिये देवराहा परिसर प्रेमाबाग में स्वागत है।

नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण विरोधी अभियान

महिला ने किया विरोध जेसीबी के सामने बैठी,आत्महत्या की दी धमकी

-संवाददाता-
कोरबा,13 जनवरी 2024 (घटती-घटना)।
कोरबा शहर के वीआईपी मुख्य मार्ग बुधवारी बाजार और आसपास मुख्य सड़क के किनारे अतिक्रमण कर दुकानदारी लगाने वाले सब्जी विक्रेताओं पर नगर निगम और पुलिस की टीम संयुक्त कार्रवाई करने पहुंचे जहां उन्हें शुरू में काफी विरोध का सामना करना पड़ा।बुधवारी मुख्य मार्ग पर कार्रवाई के दौरान एक महिला ने जमकर हंगामा मचाया। घर के बाहर अतिरिक्त अतिक्रमण कर दुकान बनाया जा रहा था जिसे तोड़ू दस्तक टीम तोड़ने पहुंची हुई थी जहां महिला जेसीबी मशीन के नीचे बैठ गई। महिला का तमाशा घंटों तक चलता रहा। महिला पुलिस स्टाफ को बुलाकर उसे हटाया गया और अतिक्रमण ढहाया गया।इसके बाद नगर निगम की टीम बुधवारी बाजार कार्रवाई करने पहुंची। सब्जी विक्रेताओं के कारण यातायात

व्यवस्था प्रभावित हो रही थी लिहाजा नगर निगम की टीम शनिवार को बुधवारी पहुंची कार्रवाई करते हुए सब्जी विक्रेताओं को बाजार के भीतर भेज दिया।मुख्य सड़क के किनारे सब्जी दुकान लगाकर यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने वाले सब्जी विक्रेताओं को नगर निगम की टीम ने बुधवारी बाजार के भीतर व्यवस्थित कर दिया है। नगर निगम के पास पिछले लंबे समय से शिकायत आ रही थी, जिसके आधार पर शनिवार को नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और सभी को बाजार के भीतर शिफ्ट करवा दिया। इस दौरान मौके पर काफी विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई।नगर निगम के तोड़ू दस्ता प्रभारी योगेश राठौर ने बताया,कि सब्जी विक्रेताओं के कारण स्थिति काफी गंभीर हो गई थी। सड़क पर दुकानदारी के कारण लोगों को चलने में काफी समस्याएं हो रही थी। हादसों की आशंका भी काफी बढ़ गई थी,लिहाजा यह कार्रवाई की गई है। नगर निगम की टीम ने इससे पहले भी कई बार कार्रवाई की थी बावजूद इसके सब्जी विक्रेता फिर से सड़क पर अपनी दुकानदारी शुरू कर देते थे। देखने वाली बात होगी कि इस कार्रवाई के बाद व्यवस्था सुधर पाती है कि नहीं।

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), सूरजपुर, जिला-सूरजपुर, (छ0ग0)

रा0प्र0क्र0/ /अ-2/2023-24

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामिण जन ग्राम-अजबनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री नैनसाय आ. स्व0 होलसाय, जाति गोड़, निवासी ग्राम अजबनगर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम-अजबनगर, प.ह.नं. 26, रा.नि.मं. पिलखा, तहसील लटोरी स्थित स्वयं की खाते की भूमि खसरा क्रमांक 418 रकबा 0.72 हे0 में से रकबा 0.06 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिए भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन -पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे सवयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 24/01/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। उसके पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 11/01/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से किया गया जारी।

सील — विशेष कर्त्तव्याधिकारी, भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा, (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0/ /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुदामा देवी पत्नी देवनाथ जाति ब्राहम्ण निवासी डी.सी. रोड़ अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा खसरा नंबर 1899/13 रकबा 0.121 हे0 में से 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण-पत्र, सेटलमेन्ट, ले-आउट, रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/01/2024 को मेरे न्यायालय में अथवा अधिक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 09/01/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202401020700038

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

अम्बिकापुर प.ह.न. 00015 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-विरेन्द्र कुमार सोनी,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक विरेन्द्र कुमार सोनी आ0 रामअवतार सोनी निवासी लक्ष्मी ज्वेलर्स गुरूद्वारा के सामने, स्कूल रोड अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित खसरा नंबर 1668/33 रकबा 0.036 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदक का नाम दर्ज करने हेतु श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/02/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/01/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, तहसील-अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांक: 202401020700039

विषयः- ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2023-2024

फुन्दुरडिहारी प.ह.न. 00016 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-बसंत केवट,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक बसंत केवट आ0 स्व0 समयलाल जाति केंवट निवासी ग्राम फुन्दुरडिहारी तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम फुन्दुरडिहारी स्थित खसरा नंबर 130/24 रकबा 0.012 हे0 के स्थान पर रकबा 0.020 हे0 दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी रा0 अम्बिकापुर के समक्ष आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12/02/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/01/2024 को जारी किया जाता है।

सील — तहसीलदार, तहसील-अम्बिकापुर

संक्षिप्त खेल समाचार

पाकिस्तान के खिलाफ टी 20 के लिए क्लार्कसन की जगह यंग न्यूज़ीलैंड टीम में शामिल

वेलिंगटन,13 जनवरी 2024। कंधे की चोट के कारण बाहर होने के बाद जोश क्लार्कसन अब पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मैच में न्यूजीलैंड की टीम में शामिल नहीं होंगे। एनजेडसी ने एक बयान में कहा कि सुपर स्मैश में सेंट्रल स्टैग्स के लिए खेलते हुए क्लार्कसन को लगी चोट के कारण विल यंग अब डुनेडिन यूनिवर्सिटी ऑफ ओटागो ओवल में होने वाले मैच की तैयारी के लिए टीम में शामिल होंगे।
क्लार्कसन तीसरे मैच के लिए कप्तान केन विलियमसन की जगह टीम में शामिल होने वाले थे जो घुटने में चोट के बाद नहीं खेल सकेंगे। यंग हैमिल्टन के सेडॉन पार्क में रविवार को होने वाले सीरीज के दूसरे मैच के बाद टीम में शामिल होंगे। टीमें सोमवार को हैमिल्टन से डुनेडिन जाएँगी।

सुमित नागल 3 साल बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन के मुख्य ड्रॉ में

मेलबर्न,13 जनवरी 2024। भारत के सुमित नागल ने क्वालीफायर के अंतिम दौर में स्लोवाकिया के एलेक्स मोल्कन को 6-4, 6-4 से हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। नागल, जो वर्तमान में एकल विश्व रैंकिंग में 139वें स्थान पर हैं, ने 2021 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम इवेंट के मुख्य दौर में प्रवेश किया, जो उनकी समग्र ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ में चौथी उपस्थिति है।

सोशल मीडिया पर 2 मिनट की ऑडियो-वीडियो पोस्ट कर सकेंगे आलंपिक एथलेट

जिनेवा,13 जनवरी 2024। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के दिशानिर्देशों के तहत मान्यता प्राप्त एथलीटों को ओलंपिक गेम्स पेरिस 2024 और शीतकालीन युवा ओलंपिक गेम्स (वाईओजी) गैंगवॉन 2024 की प्रति पोस्ट दो मिनट तक की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग पोस्ट करने की अनुमति है।
आईओसी ने एथलीटों को अपने व्यक्तिगत डिजिटल खातों पर ओलंपिक खेलों में अपने अनुभव साझा करने की अनुमति देने के लिए अपने आधिकारिक सामाजिक और डिजिटल मीडिया दिशानिर्देश जारी किए, साथ ही मीडिया अधिकार-धारकों (एमआरएच) के अधिकारों की रक्षा भी की।एथलीट उद्घाटन और समापन समारोह, ओलंपिक गांव, प्रतियोगिता और प्रशिक्षण स्थलों के साथ-साथ अभ्यास क्षेत्रों से रिकॉर्डिंग पोस्ट करने में सक्षम हैं। आईओसी ने बताया कि प्रतियोगिता स्थल एथलीटों की प्रतियोगिता शुरू होने से एक घंटे पहले और मिश्रित क्षेत्र या डोपिंग नियंत्रण स्टेशन छोड़ने के बाद तक उनकी रिकॉर्डिंग के लिए खुले हैं।

भारत-अफगानिस्तान के बीच मुकाबला आज

इंदौर पहुंचे विराट कोहली

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली शनिवार को इंदौर पहुंच गए हैं। जहां वो अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले दूसरे टी20 मुकाबला खेलेंगे। विराट का इंदौर हवाई अड्डे पर जोरदार स्वागत हुआ।
दरअसल, अफगानिस्तान के खिलाफ विराट कोहली पहले टी20 मुकाबले में नहीं खेले थे। उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पहले मैच से अपना नाम वापस ले लिया था।

रविवार को सीरीज जीतने उतरेगी टीम इंडिया

इंदौर,13 जनवरी 2024। भारत के कुछ खिलाड़ी रविवार को इंदौर में होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इसे हासिल करने के लिए बेताब होंगे, ताकि वह टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए दावा मजबूत कर सकें।
अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में जीत को अब भी क्रिकेट की बड़ी उपलब्धियां में नहीं गिना जाएगा लेकिन भारत के कुछ खिलाड़ी रविवार को इंदौर में होने वाले दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में इसे हासिल करने के लिए बेताब होंगे, ताकि वह टीम में अपनी जगह पक्की करने के लिए दावा मजबूत कर सकें।
इससे पहले भारत ने मोहाली में खेले गए पहले मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज करके तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बनाई। ऐसे में जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों के लिए यह अनिवार्य हो गया है कि वह अफगानिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करके चयनकर्ताओं की नजर में बने रहें जिनका लक्ष्य टी20 विश्व कप के लिए अदद टीम का चयन करना है। भारतीय टीम को जून में होने वाले विश्व कप से पहले कोई अन्य टी20 सीरीज नहीं खेली है और ऐसे में अफगानिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन काफी मायने रखता है।
जितेश ने ईशान किशन को पीछे छोड़कर विकेटकीपर बल्लेबाज की दौड़ में खुद को आगे कर दिया है। उन्होंने निचले मध्यक्रम में कुछ अहम पारियां खेली हैं और वह अपना दावा पक्का करने के लिए बड़ी पारियां खेलने की कोशिश करेंगे। तिलक वर्मा का मामला भी ऐसा ही है। उन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में 39, 51 और नाबाद 49 रन बनाकर शानदार शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद वह अगली 13 पारियों में केवल एक अर्धशतक लगा पाए। इस 21 वर्षीय बल्लेबाज के लिए यह आंकड़े पर्याप्त नहीं होंगे और उन्हें बड़ी पारी खेलने की जरूरत है।
हालांकि यह देखना होगा कि वह अंतिम एकादश में जगह बना पाते हैं कि नहीं क्योंकि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली पहले मैच में नहीं खेल पाने के बाद इस मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। चोटिल होने के कारण वनडे विश्व कप में नहीं खेल पाने वाले अक्षर अब सीमित ओवरों ही नहीं बल्कि टेस्ट मैचों में खेलने के लिए भी तैयार है। बाएं हाथ के इस स्पिनर को के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ मोहाली में पहले टी20 मैच में 23 रन दे कर दो विकेट लिए थे। वह अगले मैच में भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। वाशिंगटन ने भी टीम में वापसी की है लेकिन वह पहले मैच में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और ऐसे में उनकी निगाह दूसरे मैच पर टिकी होंगी।
इंदौर की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल रही है और ऐसे में जितेश और वर्मा मौका मिलने पर इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। भारतीय टीम अफगानिस्तान को हल्के से लेने की गलती नहीं करेगी क्योंकि उसके पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। युवा रहमानुल्लाह गुरबाज़, अज़्मतुल्लाह उमरज़ई और अनुभवी मोहम्मद नबी किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण को तहस नहस करने की क्षमता रखते हैं।
गेंदबाजी विभाग में स्टार स्पिनर राशिद खान की अनुपस्थिति के बावजूद अफगानिस्तान के पास मुजीब उर रहमान जैसा उपयोगी स्पिनर है। तेज गेंदबाजी विभाग में नवीन उल हक और फजलहक फारूकी अच्छी भूमिका निभा रहे हैं।
टीम इस प्रकार हैः
भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, मुकेश कुमार।
अफगानिस्तानः इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), हजरतुल्लाह जजई, रहमत शाह, नजीबुल्लाह जादरान, मोहम्मद नबी, करीम जनत, अजमतुल्लाह उमरजई,शराफुद्दीन अशरफ, मुजीब उर रहमान, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद , नवीन उल हक, नूर अहमद, मोहम्मद सलीम, कैस अहमद, गुलबदीन नायब, राशिद खान।

निशानेबाज विजयवीर सिद्धू ने भारत को 17 वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया

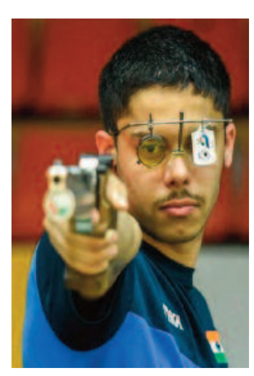

जकार्ता,13 जनवरी 2024। भारत के विजयवीर सिद्धू ने शनिवार को जकार्ता में आयोजित एशिया ओलंपिक क्वालीफायर की पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर स्पर्धा में रजत पदक जीतकर देश को 17 वां पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। इस तरह वह 25 मीटर रैपिड फायर में पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाकर सीनियर साथी अनीश भानवाला के साथ शामिल हो गये। अनीश ने पिछले साल कोरिया के चांगवान में एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इस स्पर्धा का ओलंपिक कोटा हासिल किया था। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में टीम कांस्य पदक विजेता 21 वर्ष के विजयवीर को कोटा हासिल करने के लिए पदक जीतने का इंतजार नहीं करना पड़ा। उन्होंने 577 के स्कोर से चौथे स्थान से फाइनल में क्वालीफाई करते ही कोटा हासिल कर लिया था। शनिवार को फाइनल में पहुंचने वाले छह में से चार निशानेबाजों को कोटा स्थान मिलना तय था।चंडीगढ़ के विजयवीर ने एलिमिनेशन राउंड में 28 का निशाना लगाते ही रजत पदक जीतकर शान से कोटा प्राप्त किया। वह कजाखस्तान के निकिता चिरयुकिन से पीछे रहे जिन्होंने 32 के शॉट से स्वर्ण पदक जीता। भारत के लिए रैपिड फायर पिस्टल मजबूत स्पर्धा होती है जिसमें विजय कुमार ने 2012 लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था। अनीश तोक्यो ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने के मजबूत दावेदार दिख रहे थे लेकिन वह नयी दिल्ली में 2021 में आईएसएसएफ विश्व कप में ऐसा करने से चूक गये थे।अगर विजयवीर और अनीश दोनों को पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलता है तो रैपिड फायर निशानेबाजी में इस तरह का मौका पहली बार होगा। भारत ने अभी तक जकार्ता में चार पेरिस ओलंपिक कोटे हासिल कर लिये हैं। विजयवीर के अलावा ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा, वरूण तोमर ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा और रिदम सांगवान ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में पेरिस कोटा प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद डीन एल्गर 3 साल के अनुबंध पर एसेक्स में शामिल

नई दिल्ली,13 जनवरी 2024। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज डीन एल्गर ने 2024 काउंटी सीजन से पहले एसेक्स के साथ तीन साल का करार किया है। एल्गर ने हाल ही में भारत के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। 36 वर्षीय एल्गर एसेक्स में शामिल होकर बहुत खुश हैं।
एल्गर को यह कहते हुए उद्धृत किया गया, मैं एसेक्स के साथ अपनी क्रिकेट यात्रा के इस नए अध्याय को शुरू करने के लिए रोमांचित हूं। क्लब हाल के वर्षों में सम्मान के लिए प्रयास कर रहा है, और मैं आगे की सफलता में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।
उन्होंने कहा, मैंने काउंटी क्रिकेट में अपने पिछले अनुभवों का भरपूर आनंद लिया है और मैं वास्तव में सीज़न से पहले टीम में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।एसेक्स के मुख्य कोच एंथनी मैकग्रा ने एल्गर का स्वागत किया। मैकग्रा के हवाले से कहा गया, डीन अपने साथ ढेर सारी प्रतिभा और अनुभव लेकर आए हैं जो निस्संदेह 2024 सीज़न के लिए हमारी टीम को मजबूत करेगा।
मैकग्रा ने कहा, टेस्ट क्रिकेट में उनका करियर शानदार रहा है और उन्होंने संन्यास लेने तक दुनिया के सामने उच्चतम स्तर पर रन बनाने की अपनी इच्छा का प्रदर्शन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में उनकी उपलब्धियाँ उनकी क्षमताओं के बारे में बहुत कुछ बताती हैं और हम एसेक्स में उनके प्रभाव को देखने के लिए उत्साहित हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने द.अफीका श्रृंखला के लिए महिला टीम की घोषणा की

मेलबर्न,13 जनवरी 2024। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के साथ अपनी पहली बहु-प्रारूप श्रृंखला के लिए सफेद गेंद वाले चरण के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम की घोषणा की है, जिसमें हाल ही में भारत दौरे से लौटी टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है।एलिसा हीली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक पहले टेस्ट के साथ श्रृंखला समाप्त करने से पहले तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए एक अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई टीम का नेतृत्व करेंगी।
टेस्ट के लिए टीम की घोषणा 3 फरवरी को पहले वनडे के बाद की जाएगी।सीए की प्रदर्शन प्रमुख (महिला क्रिकेट) और राष्ट्रीय चयनकर्ता, शॉन फ्लेगलर ने कहा, आगामी टी20 और वनडे के लिए टीमें हाल ही में भारत की यात्रा करने वाली टीमों के समान हैं।फ्लेगलर ने कहा, जैसा कि अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ हमारी घरेलू श्रृंखला में हुआ था। ग्रेस हैरिस केवल टी20 के लिए टीम का हिस्सा हैं और वनडे के लिए उनकी जगह अलाना किंग को लिया जाएगा। तीन टी20 मैच 27, 28 और 30 जनवरी को खेले जाएंगे। पहले दो मैच कैनबरा के मनुका ओवल में होंगे, जबकि तीसरा और अंतिम टी20 होबार्ट के ब्लंडस्टोन एरेना में होगा। इसके बाद 3 फरवरी को एडिलेड और सिडनी में 7 और 10 को वनडे मैच खेले जाएंगे।
ऑस्ट्रेलिया महिला टीमः-एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, हीदर ग्राहम, एश्ले गार्डनर, किम गार्थ, ग्रेस हैरिस (केवल टी20), जेस जोनासेन, अलाना किंग (केवल वनडे), फोबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी , मेगन शट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वेयरहैम

कुलदीप,अक्षर की टेस्ट में वापसी

जुरेल को भी 16 खिलाड़ियों की टीम में मिली जगह

मुंबई,13 जनवरी 2024। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की श्रृंखला के पहले दो टेस्ट मैचों के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई है। पहला मैच 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरू होगा। टखने की चोट के बाद वापसी कर रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को पहले दो टेस्ट से बाहर रखा गया है।
33 वर्षीय तेज गेंदबाज नवंबर 2023 में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से चोट के कारण मैदान से बाहर हैं। उप-कप्तान जसप्रित बुमरा के नेतृत्व में सीम आक्रमण में मोहम्मद सिराज की उग्र जोड़ी और मुकेश कुमार और अवेश खान की होनहार प्रतिभाएं शामिल हैं। शमी की अनुपस्थिति ने इन युवा तेज गेंदबाजों के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ने का द्वार खोल दिया।

टेस्ट क्रिकेट में ओपनिंग करना मेरे लिए नया नहीं :स्टीव स्मिथ

सिडनी,13 जनवरी 2024। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज करने के लिए तैयार स्टीव स्मिथ ने शनिवार को कहा कि यह उनके लिए नई भूमिका नहीं है क्योंकि वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते रहे हैं तथा उन्हें नई गेंद का सामना करने की चुनौती पसंद है। स्मिथ वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला में डेविड वार्नर की जगह सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। वार्नर ने इस महीने के शुरू में पाकिस्तान के खिलाफ अपना आखिरी टेस्ट मैच खेलकर खेल के इस प्रारूप से संन्यास ले लिया था।

सलमान खान ने कहा-मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र काम लोगों का मनोरंजन करना है

बॉक्स ऑफिस पर सफल प्रदर्शन करने के बाद, सलमान खान-स्टारर 'टाइगर 3' अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों से मिल रहे प्यार को देखकर सलमान ने कहा, टाइगर फ्रेंचाइजी को पहली फिल्म से ही जबरदस्त प्यार मिला है, चाहे वह नाटकीय रूप से हो, सैटेलाइट पर या स्ट्रीमिंग पर! इसलिए, यह देखना आश्चर्यजनक लगता है कि तीसरी फिल्म कैसी है। टाइगर 3 की किस्त पहले सिनेमाघरों में और अब स्ट्रीमिंग पर हिट रही !उन्होंने आगे कहा, मैं अपने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने दर्शकों के साथ निकट संपर्क में हूं और अब टाइगर 3 के ओटीटी पर आने के बाद मैं प्यार का प्रवाह देख सकता हूं। एक अभिनेता के रूप में, मेरा सबसे बड़ा और एकमात्र काम लोगों का भरपूर मनोरंजन करना है और मैं मुझे खुशी है कि टाइगर 3 को दुनिया भर के लोग पसंद कर रहे हैं।

मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित, 'टाइगर 3' 12 नवंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। यह अब प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है। टाइगर 3' ने दुनिया भर में 472 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली है। फिल्म में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी भी हैं। दिलचस्प बात यह है कि इसमें शाहरुख खान की कैमियो भूमिका और ऋतिक रोशन का एक पोस्ट-क्रेडिट दृश्य भी है। पिछली दो किस्तों ङ्क एक था टाइगर और टाइगर जिंदा है की तरह ङ्क यह फिल्म रॉ एजेंट टाइगर (सलमान) और आईएसआई एजेंट जोया (कैटरीना) से जुड़े एक नए मिशन पर केंद्रित है। सलमान के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो उन्होंने अभी तक अपनी नई फिल्म की घोषणा नहीं की है। हालाँकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह 'द बुल' नाम की एक फिल्म में काम कर सकते हैं।

अगर मुझसे टेंटपोल फिल्म या सीरीज के लिए संपर्क किया जाता है तो मैं स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तलाशने के लिए तैयार हूं :सोनम कपूर

अगर एक्ट्रेस सोनम कपूर से किसी टेंटपोल फिल्म या सीरीज के लिए संपर्क किया जाता है तो वह स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म तलाशने के लिए तैयार हैं।
सोनम ने कहा, मेरे लिए अच्छे कंटेंट और अच्छी सिनेमा का हिस्सा बनना ही मायने रखता है। जिस प्लेटफॉर्म पर इसे रिलीज किया जा रहा है वह महत्वहीन है क्योंकि दुनिया बदल गई है। मैं स्ट्रीमिंग पर एक ऐसे प्रोजेक्ट का नेतृत्व करने के लिए उत्साहित हूं जो लोगों को प्रभावित करेगा। मुझे वहां कंटेंट की विविधता बहुत पसंद है।सोनम स्ट्रीमिंग पर कंटेंट देखने की शौकीन हैं और खुश हैं कि कैसे प्लेटफॉर्म ने कंटेंट के महत्व पर गौर करना शुरू किया है।उन्होंने साझा किया, मैं हमेशा से स्ट्रीमिंग में अपना कदम रखना चाहती थी, बशर्ते कि मैं एक टेंटपोल फिल्म या ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर सीरीज का नेतृत्व कर रही हूं। मैं सालों से स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म द्वारा बनाए जा रहे आउटस्टैंडिंग कंटेंट की सबसे ज्यादा दर्शक रही हूं।
एक्ट्रेस, जो अपनी प्रेग्नेंसी के बाद फिल्मांकन में वापस आ गई हैं, ने कहा- मेरा मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफार्मों ने हमारे देश के कंटेंट को आगे बढ़ाया है, इसे अधिक क्रिएटिव रूप से गतिशील बना दिया है।
स्ट्रीमिंग कंटेंट ने ग्लोबल लेवल के साथ-साथ भारत में भी जो स्तर स्थापित किया है, वह अविश्वसनीय है। स्ट्रीमिंग आपको एक कलाकार के रूप में बहुत सारे एक्सपेरिमेंट करने की अनुमति देती है। यह मेरे लिए बहुत ही रोमांचक माध्यम है। इसलिए, मैं स्ट्रीमिंग पर अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हूं।
सोनम ने कहा, मुझे पता है कि स्ट्रीमिंग पर मेरी शुरुआत में काफी समय लग गया है और मुझे उम्मीद है कि मैं जो पेश करने जा रही हूं वह लोगों को वास्तव में पसंद आएगा।

लोहड़ी पर साउथ से आई एक और फिल्म

63 साल के हीरो के एक्शन पर फैंस ने दिया ये रिएक्शन

बॉलीवुड और साउथ की फिल्में मिलाकर 12 जनवरी को कुल 5 फिल्में रिलीज हुई, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है. वहीं अब 13 जनवरी यानी लोहड़ी सेलिब्रेशन में एक और फिल्म रिलीज हो गई है,जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर जोरों से हो रही है.। दरअसल,

सुपरस्टार वेंकटेश की फिल्म सैंधव है. इस फिल्म का एक्शन सीन ट्विटर यानी एक्स पर चर्चा का विषय बन गया है।
रिएक्शन देते हुए एक यूजर ने 63 साल के हीरो का एक्शन सीन सैंधव से शेयर किया है, जो कि वायरल हो रहा है।
दूसरे यूजर ने लिखा, सैंधव मेरे लिए एक अच्छी फिल्म थी। नवाजुद्दीन की एक्टिंग, कुछ सीन और क्लाइमेक्स में वेंकी मामा सचमुच देखने लायक थे। तीसरे यूजर ने सिनेमाघरों के बाहर सैंधव की रिलीज का जश्न मनाते हुए वीडियो शेयर किया है, जो कि देखने लायक है। चौथे यूजर ने लिखा, ब्लॉकबस्टर पहला हाफ. वेंकी मामा वापस लौटे हैं अपनी ब्लॉकबस्टर परफॉर्मेंस के साथ। 12 जनवरी को अयलान, गुंटूर कारम,हनुमान, कैप्टन मिलर और मैरी क्रिसमस रिलीज हुई है, जिसके बाद अब सैंधव की चर्चा जोरों पर है. फिल्म की बात करें तो सैंधव में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और वेंकटेश के अलावा आर्या, श्रद्धा श्रीनाथ,रुहानी शर्मा,एंड्रिया जेरेमिया, सारा,जयप्रकाश अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। सैंधव का निर्देशन शैलेश कोलानु ने किया है. यह एक पैन इंडिया फिल्म है जो हिंदी के अलावा साउथ की सभी भाषा में सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।

CMYK

सहायक प्रोफेसरों की भर्ती हुई स्थगित

» फिर भी हो गई जॉइनिंग...! उठ रहे हैं सवाल

» भर्ती प्रक्रिया में है कई खामियां

» छात्र संगठन ने की है जांच की मांग

रायपुर,13 जनवरी 2024(ए)। कृषि मंत्री रामविचार ने पिछले दिनों महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा (पाटन) में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया को स्थगित रखने के निर्देश दिए थे। इसके साथ ही राज्यपाल एवं कुलाधिपति द्वारा भर्ती प्रक्रिया की जांच के लिए 3 सदस्यीय जांच कमेटी का आदेश जारी कर दिया गया है। इतना सब कुछ होने के बावजूद विश्विद्यालय प्रबंधन ने चयनित सहायक प्राध्यापकों की आनन-फानन में जॉइनिंग करवा दी। इसके बाद अब भर्ती के साथ जॉइनिंग की प्रक्रिया भी संदेह के दायरे में आ गई है।

ये है मामला...

वानिकी विश्वविद्यालय में दोषपूर्ण, नियम विरूद्ध भर्ती प्रक्रिया तथा प्रबंध मंडल के गठन में की गयी अनियमितता की शिकायत छात्र-छात्राओं ने कृषि मंत्री से की थी, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए नियुक्ति प्रक्रिया स्थगित कर दी गयी। कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय सांकरा (पाटन) में सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया को स्थगित रखने के निर्देश जारी किये थे।

स्कोर कार्ड में गड़बड़ी की शिकायत

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय पाटन में सहायक प्राध्यापक के 35 पदों की भर्ती के

लिए तैयार किए गए स्कोर कार्ड में भारी गड़बड़ी की शिकायत मिली है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की गाइड लाइन के अनुसार पीएचडी एवं नेट की परीक्षा के लिए पृथक-पृथक अंक देना था, जो कि नहीं किया गया है। इस कारण बड़ी संख्या में पीएच.डी उम्मीदवार उपलब्ध होते हुए भी गैर पीएच.डी धारी अभ्यर्थियों का चयन एवं नियुक्ति की गई है। चयनित लोगों में कृषि-उद्यानिकी विभाग में ऋक्षह्र के पद पर कार्य कर रहे अधिकारी भी शामिल हैं। कृषि मंत्री को की गयी शिकायत के बाद नियुक्ति को स्थगित करने का आदेश दिया गया है।

चयन समिति के गठन की प्रक्रिया भी दोषपूर्ण

सहायक प्राध्यापक की चयन समिति के गठन में भी दोषपूर्ण प्रक्रिया अपनाये जाने की शिकायत भी की गई है। विश्वविद्यालय की चयन समिति में कुलसचिव द्वारा साक्षात्कार के अंक दिए गए थे, परंतु कुछ अभ्यर्थियों के चयन में कुलसचिव को अंक देने से रोक दिया गया है। साथ में सहायक प्राध्यापक की नियुक्तियों को अनुमोदन देने वाले प्रबंध मंडल का गठन भी त्रुटिपूर्ण किया गया है। नामांकित व्यक्ति एवं विशेषज्ञ विश्वविद्यालय अधिनियम के अनुरूप नहीं थे। इससे छत्तीसगढ़ प्रदेश के पात्र एवं पीएच.डी उपाधि प्राप्त अभ्यर्थियों को साक्षात्कार में कम अंक देकर अन्य प्रदेश के उम्मीदवारों की नियुक्ति की गई है।

कृषि मंत्री के निर्देश के बावजूद कैसे दे दी गई जॉइनिंग

महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया के बीते विधानसभा चुनाव के पहले से ही विरोध किया जा रहा था। तब दावा-आपत्ति के बाद आनन-फानन में उसका निराकरण किया गया और भर्ती को स्थगित कर दिया गया था। मगर जैसे ही भाजपा की सरकार सत्ता में आयी भर्ती प्रक्रिया में तेजी लाते हुए चयनित उम्मीदवारों को भर्ती किये जाने का षड़यंत्र शुरू हो गया। उधर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा मामले की शिकायत किये जाने के बाद कृषि मंत्री रामविचार ने तत्काल भर्ती स्थगित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही राज्यपाल के सचिव द्वारा 10 जनवरी को पत्र जारी कर 3 सदस्यीय जांच कमेटी इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में गठित कर दिया गया।

2047 तक भारत बनेगा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

रायपुर,13 जनवरी 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के एक निजी होटल में आईसीएआई द्वारा आयोजित ''अवार्ड फॉर एक्सीलेंस इन फाइनेंशियल रिपोर्टिंग'' कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री साय ने फाइनेंशियल रिपोर्टिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले वित्तीय, गैर वित्तीय, औद्योगिक और सेवा क्षेत्र की संस्थाओं तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले संस्थाओं को बधाई देते हुए कहा कि 2047 तक भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को पूरा करने में सभी वित्तीय, गैर वित्तीय, उद्योग और सेवा प्रदाता कंपनियों की बड़ी भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम दुनिया की पांचवीं

सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और सभी के सहयोग से निश्चित ही हम अपने वित्तीय लक्ष्यों को तय समय में प्राप्त करने में सफल होंगे।

साय ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट की वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जितना बेहतर वित्तीय प्रबंधन होगा, वह संस्था उतनी ही गति से विकास करेगी। इसे समग्रता में देखें तो बेहतर वित्तीय प्रबंधन देश को भी आर्थिक रूप से मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि जीएसटी आने के बाद चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका बढ़ी है और उनकी दक्षता का लाभ कंपनियों को मिल रहा है, जिससे वित्तीय प्रबंधन करना भी आसान हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

मकर संक्रांति,पोंगल और लोहड़ी की मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

रायपुर,13 जनवरी 2024(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि भारत में सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायण होकर मकर रेखा की ओर जाने का स्वागत बहुत उमंग और उत्साह से किया जाता है।देश के विभिन्न क्षेत्रों में इसे मकर संक्रांति, पोंगल और लोहड़ी पर्व के नाम से मनाते हैं। यह त्यौहार ऋतु परिवर्तन का संदेश लेकर आता है। साय ने कहा है कि यह पर्व सभी लोगों के जीवन में सुखद परिवर्तन लेकर आए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति, पोंगल और लोहड़ी पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी लोगों के लिए सुख-समृद्धि की कामना की है।

एक इनामी समेत तीन नक्सलियों ने किया सरेंडर

दंतेवाड़ा,13 जनवरी 2024 (ए)। नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में लोन वर्राटू अभियान कारगर साबित हो रहा है। नक्सली मोर्चे में शामिल युवा अब मुख्य दारा पर लौटने प्रेरित हो रहे है। उनका हिंसा से मोह बंग हो रहा है। लोन वर्राटू अभियान के तहत दंतेवाड़ा पुलिस को एक और कामयाबी मिली है।एक इनामी समेत तीन नक्सलियों ने एसपी गौरव रॉय के समक्ष सरेंडर किया है। तीनों नक्सली कटेकल्याण इलाक़े में सक्रिय रहे है। सरेंडर करने वालो में नक्सली गंगा भी शामिल है। गंगा नक्सलियों के डुमाम एलओएस में कमांडर के रूप में काम कर रहा था। गंगा पर शासन की ओर से पाँच लाख रुपये का इनाम भी घोषित है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर दिया बड़ा बयान

राहुल गांधी को करनी चाहिए ज्ञान यात्रा

कांग्रेस ने किया पलटवार

रायपुर,13 जनवरी 2024(ए)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह अपने तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे। रायपुर पहुंचते ही एयरपोर्ट पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने समेत बीजेपी नेता और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान गिरिराज सिंह ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए 14 जनवरी से शुरू हो रही राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को न्याय यात्रा की जगह ज्ञान यात्रा करनी चाहिए। किसी न किसी गांव में उन्हें किसी से ज्ञान जरूर मिलेगा।

इसके साथ ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने पंचायत विभाग में हुए घोटालों की जांच की बात पर कहा कि भूपेश काल में सिर्फ घोटाला हुआ. कहा-कहा हुआ है उसी के लिए तो आया हूं। खासकर पंचायतों में एक गौठान

निर्माण में जमकर भ्रष्टाचार किया गया है। मनरेगा के कार्यों में अंकेक्षण विभाग में करोड़ों की रिकवरी कार्रवाई नहीं होने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी पूछता हूं कि वो रिकवरी नहीं किया गया है. मामले की जांच होगी और दोषियों को जेल भेजेंगे।

गिरिराज सिंह ने छत्तीसगढ़ दौरे पर कहा कि पंचायती राज को कांग्रेस ने लूटा है। इसलिए गौठानों को ठीक करने आया हूं। छग सरकार कैसे बेहतरी से काम करे, उसके लिए एक बैठक करेंगे।

कांग्रेस के अयोध्या ना जाने पर गिरिराज सिंह ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, मंदिर संस्थान ने सोनिया गांधी को भी निमंत्रण भेजा है। लेकिन यह नहीं जा रहे हैं। कांग्रेस हिंदू विरोधी रही है। कांग्रेस के डीएनए में हिंदू विरोधी है। कोई सूरज पर थूक फेके तो थूक आदमी पर पड़ता है। कांग्रेस ने 70 साल तक लटकाने और भटकाने का काम किया। सनातन हिंदुओं के जागरण का समय है जो जाएगा उसका किस्मत अच्छा है।

कांग्रेस की लोकसभा तैयारियों पर गिरिराज सिंह ने कहा। पूरे देश में इस बार कांग्रेस ने जो काम किया। पूरे देश में उन्हें उम्मीदवार नहीं मिलेंगे.। क्योंकि इस देश की पहचान सनातन हिंदुओं से है क्योंकि कांग्रेस हिंदू विरोधी है. जो शिव, राम और कृष्ण का विरोधी हो उन्हें चुनाव में कहां जगह मिलेगी।

गिरिराज सिंह के बयान पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया का पलटवार

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के ज्ञान यात्रा बयान पर पूर्व मंत्री शिव कुमार डहरिया ने बयान दिया है। उन्होंने कहा कि गिरिराज सिंह तो मोदी जी से ज्ञान ले रहे हैं. बीजेपी का धर्म और जाति के नाम पर प्रोपेगेंडा चल रहा है। ऐसा लग रहा है कुछ दिनों में मोदी जी को अपनी मूर्ति लगाना पड़ेगा। धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है। कौन और कब मंदिर में जाएगा, वह जानता तय करेगी।

योजनाओं पर कार्रवाई करने वाले सवाल पर शिव डहरिया ने कहा कि जो जांच करनी है, करवा लें. कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में संचालित योजनाओं का लाभ सभी को मिला है। गिरिराज सिंह के डीएनए में हिंदू विरोधी वाले बयान पर पूर्व मंत्री शिव डहरिया ने कहा कि आरएसएस और बीजेपी जाति और धर्म की राजनीति करते है। ऐसी राजनीति पहले अंग्रेज करते थे। यही राजनीतिक आज आरएसएस और बीजेपी कर रही है। महात्मा गांधी ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी.।

महादेव सट्टा एप्प:गिरफ्तार एक आरोपी को हाईकोर्ट से मिली जमानत

बिलासपुर,13 जनवरी 2024 (ए)। मनी लॉन्ड्रिंग और धोखाधड़ी के तहत महादेव एप सट्टा मामले के गिरफ्तार एक आरोपी राजेश अग्रवाल को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई।

हाई कोर्ट ने ईडी द्वारा गिरफ्तार राजेश अग्रवाल की याचिका स्वीकार करते हुए जमानत दे दी है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता की ओर से कोर्ट में कहा गया कि उसके प्रकरण में मनी लॉन्ड्रिंग का केस नहीं बनता। धारा 420 के तहत दर्ज अपराध को मनी लॉन्ड्रिंग से जोड़ दिया गया है। जस्टिस एनके चंद्रवंशी के बेंच ने सुनवाई के बाद जमानत अर्जी मंजूर कर ली।

बताते चलें कि ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने महादेव सट्टा एप को लेकर अब तक 31 गिरफ्तारियां की हैं। इनमें से अधिकांश जेल में हैं। सभी ने विशेष न्यायालय रायपुर में जमानत की याचिका लगाई है, जिन्हें जमानत नहीं मिली, उन्होंने हाईकोर्ट में अपील की है।गौरतलब है कि दो दिन पहले ही महादेव सट्टा में मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार अनिल दम्मानी और उसके भाई सुनील दम्मानी की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज की है।

छत्तीसगढ़ बना तस्करों का सुरक्षित गढ़

» बेखौफ हो रही तस्करी

» लग्जरी कार से सोने की बिस्किट और पत्ती की तस्करी, 5 तस्कर दबोचे गए

महासमुंद,13 जनवरी 2024 (ए)। लग्जरी कार से सोने का बिस्किट और पत्ती की तस्करी करते 5 स्मगलर पकड़े गए है। सिंघोडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत अन्तर्राजीय चेक पोस्ट रेहटीखोल (छ0ग0 ओड़िसा बॉर्डर) के पास पुलिस पार्टी द्वारा संदिग्ध वाहनो की चेकिंग की जा रही थी तभी बरगढ़ ओडिसा की तरफ से एक सफेद रंग की हुण्डई क्रेटा कार क्रमांक डब्ल्यूबी 08 सी 3900 तेज रफ्तार से छत्तीसगढ़ की ओर आ रही थी। उक्त वाहन को चेक पोस्ट के पास रोका गया, कार में 03 व्यक्ति सवार थे। तीनों संदिग्धों को वाहन से उतार कर पूछताछ करने पर सही तरीके से जवाब नही देने व जवाब गोलमोल

व संतोषप्रद नही पाये जाने से गंभीरता से पूछताछ किया जा रहा था कि उसी दरमियान उनके अन्य साथी दारान एक लाल रंग का हुण्डई आई20 कार क्रमांक MH 13 DE 3330 आया। जिसमें 02 व्यक्ति बैठे थे। वाहन को रोका गया व पूछताछ कर वाहन की तलाशी ली गई। वाहन के पिछला सीट के सामने एक चेम्बर मिला जिसे उक्त वाहन चालक से खोलवाया गया जिसके अंदर एक पिले रंग के थैला के अंदर चार पैकेट मिला पैकेट के संबंध में पूछताछ करने पर सोने का पैकेट होना बताया।

पुलिस की टीम के द्वारा थैला के अंदर चार पैकेटों खोल देखने पर 01. एक पैकेट में सोने का बिस्कीट कुल 20 नग वजनी 2.482 कि.ग्रा. 02. एक पैकेट में सोने का बिस्कीट 19 नग वजनी 2.411 कि.ग्रा. 03. एक पैकेट में सोने का पत्ती 11 नग वजनी 1.279 कि.ग्रा. 04. एक पैकेट में सोने का पत्ती वजनी 1.279 कि.ग्रा. कुल सोना वजनी 7.451 कि.ग्रा. रेपर का वजन 0.41 ग्राम कुल वजनी 7.861 कि.ग्रा. जुमला कीमती 4,76,86,400 रूपये। पुलिस की टीम के द्वारा सोने का बिस्कटी एवं सोने का पत्ती के संबंध में वैध दस्तावेज व कागजात पेश करने हेतु नोटिस दिया गया। उक्त व्यक्तियों के द्वारा कोई भी वैधानिक दस्तावेज पेश नही होना बताये। पुलिस की टीम को उक्त सोने की पैकेट को खडकपुर कलकत्ता हाईवे से पुणे महाराष्ट्र ले जाना बताये। सोने का बिस्कीट, पत्ती एवं रेपर कुल वजनी 7.861 कि.ग्रा. जुमला कीमती 4,76,86,400 रूपये, एक आई20 कार कीमती 7,00,000 रूपये, एक हुण्डई क्रेटा कार कीमती 10,00,000 रूपये तथा 05 नग विभिन्न कंपनी के मोबाईल कीमती 50000 रूपये कुल जुमला कीमती 4,94,36,400 (चार करोड चैरानवे लाख छत्तीस हजार चार सौ रूपये) जप्त कर थाना सिंघोडा में अपराध/धारा 102 जा.फौ. के तहत् कार्यवाही किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों का विदेश में भी खाता होने का पता चला

रायपुर,13 जनवरी 2024(ए)। महादेव सट्टा मामले को लेकर छत्तीसगढ में ईडी ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है उनसे पूछताछ में कई नई बातें निकलकर सामने आई है। महादेव सट्टा का पैसा कैसे कहां जातो था उसका भी खुलासा हुआ है।छत्तीसगढ़ में चर्चित महादेव सट्टा मामले के लेकर श्रेष्ठ को पूछताछ करने के बाद नए लोगों के बारे में जानकारी मिली है। साथ ही महादेव सट्टा की अवैध कमाई को कैसे आरोपियों की मदद से उसको लीगल किया जा रहा था यह भी खुलासा हुआ है। ईडी ने महादेव सट्टा मामले में जिन दो लोगों को

गिरफ्तार किया है, उनमें से 1 रायपुर का कारोबारी और 1 कलकत्ता का कारोबारी है। बतायो जा रहा है कि इन दोनों की मदद से महादेव सट्टा ऐप की कमाई को लीगल तौर पर अलग-अलग जगह इन्वेस्ट किया जाता था। यह भी बतलाया गया कि शुक्रवार को ईडी की गिरफ्त में आए, आरापियों के विदेशी खातों का पता चला है।

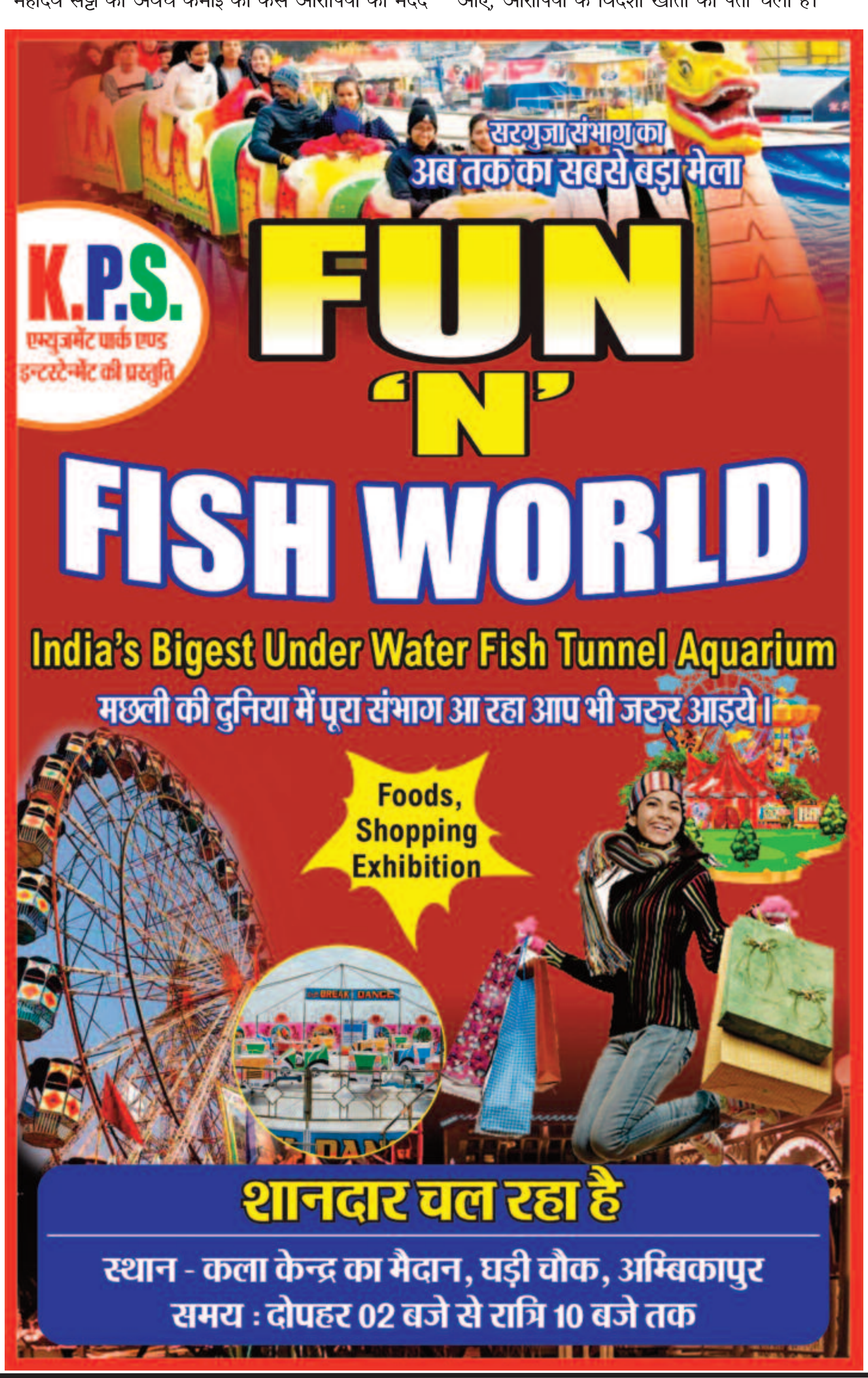

दो वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स बंद

» अब सिर्फ चार वर्षीय कोर्स को मिलेगी मान्यता

» भारतीय पुनर्वास परिषद ने जारी किया है यह निर्देश

» 2024-25 से दो वर्षीय कोर्स की मान्यता देने पर रोक

» प्रदेश के 16 संस्थानों में स्पेशल बीएड, डीएलएड की होती है पढ़ाई

रायपुर,13 जनवरी 2024(ए)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत बैचलर आफ एजुकेशन (बीएड) कोर्स में बड़ा बदलाव किया गया है। देश व प्रदेश में अब सिर्फ चार वर्षीय स्पेशल बीएड पाठ्यक्रम चलेंगे। भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआइ) ने अपना दो वर्षीय स्पेशल (दिव्यांग) बीएड पाठ्यक्रम बंद करने का निर्णय लिया

है। अब इसकी जगह चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीएड (स्नातक के साथ बीएड) कोर्स को मान्यता दी जाएगी। परिषद ने आगामी शिक्षा सत्र 2024-25 से दो वर्षीय दिव्यांग बीएड संचालित करने के लिए संस्थानों को मान्यता देने पर रोक लगा दी है। यहां पर अब सिर्फ चार वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स ही चलाया जाएगा। जिन कालेजों में दो वर्षीय बीएड कोर्स चल रहे हैं, वहां अभी चलते रहेंगे, लेकिन अब नए कालेजों को दो वर्षीय बीएड कोर्स शुरू करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। देशभर के कालेजों में स्पेशल बीएड कोर्स शुरू करने के लिए भारतीय पुनर्वास परिषद मान्यता देता है।

छत्तीसगढ़ में 16 संस्थानों में बीएड, डीएड समेत अन्य स्पेशल पाठ्यक्रमों की पढ़ाई होती है। सभी उच्च शिक्षण संस्थान जो आगे स्पेशल बीएड कोर्स चलाना चाहते हैं, उन्हें अब चार वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स के लिए ही आवेदन करना होगा। इसके लिए जल्द ही पोर्टल ओपन होंगे। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पहले से जो दो वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स चल रहे हैं, वो सत्र 2024-25 में चलेंगे या उन्हें भी बंद कर दिया जाएगा।

शिक्षकों की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए नेशनल काउंसिल आफ टीचर्स एजुकेशन (एनसीटीई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार नए पैटर्न पर नया इंटीग्रेटेड (स्नातक सह बीएड) टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीईपी) जैसे, बीए-बीएड, बीएससी-बीएड, बीकाम-बीएड को विकसित किया है। इसी प्रकार का पाठ्यक्रम चार वर्षीय स्पेशल बीएड के लिए तैयार किया जा रहा है।

संस्थानों को 2030 तक लेनी होगी मान्यता

विशेषज्ञों ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत चार वर्षीय स्पेशल बीएड कोर्स ही चलेंगे और सभी संस्थानों को 2030 तक हर हाल में इसके लिए मान्यता लेनी होगी। इसके बाद दो वर्षीय बीएड और स्पेशल बीएड कोर्स पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। स्कूलों में शिक्षक बनने के लिए भी सिर्फ चार वर्षीय बीएड कोर्स की ही शैक्षणिक योग्यता रह जाएगी। यही नियम स्पेशल बीएड में भी लागू होगा।

फिलहाल संस्थानों को मान्यता देना बंद किया गया है ताकि अगले पांच-छह वर्ष में सभी चार वर्षीय बीएड कोर्स लागू कर लें। जिन कालेजों को 2024-25 सत्र के लिए पहले से दो वर्षीय स्पेशल बीएड की मान्यता मिली हुई है, उन पर किसी तरह की रोक का उल्लेख सर्कुलर में नहीं है।

बीएड फर्स्ट सेमेस्टर परीक्षा के लिए आवेदन 15 तक

बीएड फर्स्ट सेमेस्टर एग्जाम के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। अभ्यर्थी 15 जनवरी तक आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद विलंब शुल्क के साथ 16 से 20 जनवरी तक फार्म भरे जाएंगे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)